वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 231 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, बुधवार 09 सितंबर, 2026 www.sakarbharat.com

नई दिल्ली में मोदी और पुतिन की द्विपक्षीय बैठक 11 सितंबर को, सुरक्षा के लिए NSG ने संभाली कमान

नई दिल्ली। नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को आयोजित होने वाले BRICS शिखर सम्मेलन 2026 से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच 11 सितंबर को महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है। दोनों नेताओं की यह मुलाकात BRICS सम्मेलन से एक दिन पहले नई दिल्ली में होगी। सम्मेलन को लेकर राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और नेशनल सिक्योरिटी गार्ड समेत विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, क्रेमलिन के प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच होने वाली द्विपक्षीय बैठक की जानकारी दी है। दोनों नेताओं की यह मुलाकात भारत और रूस के बीच रणनीतिक, आर्थिक, रक्षा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के लिहाज से अहम मानी जा रही है।

भारत इस वर्ष 1 जनवरी से BRICS की अध्यक्षता कर रहा है। वर्ष 2026 इस समूह के लिए भी विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इस वर्ष BRICS की स्थापना के 20 वर्ष पूरे हो रहे हैं। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में सदस्य देशों के नेताओं के बीच वैश्विक अर्थव्यवस्था, व्यापार, सुरक्षा और आपसी सहयोग सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

BRICS शिखर सम्मेलन से पहले दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड यानी हस्त्र ने राजधानी के प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा तैयारियों का अभ्यास किया। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम और राजघाट समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

अभ्यास के दौरान NSG कमांडो ने हेलिकॉप्टर के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर संभावित आपात परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों का प्रदर्शन किया। आसपास के अस्पतालों, प्रशासनिक भवनों और अन्य महत्वपूर्ण परिसरों में भी सुरक्षा जांच और अभ्यास किया गया।

इस सुरक्षा अभ्यास में दिल्ली पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों अस्पताल प्रशासन तथा अन्य संबंधित एजेंसियों ने भी भाग लिया। NSG ने इस मॉक ड्रिल में प्रमुख समन्वय एजेंसी की भूमिका निभाई।

BRICS सम्मेलन और विश्व नेताओं की मौजूदगी को देखते हुए नई दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की प्रस्तावित द्विपक्षीय बैठक पर भी देश-दुनिया की नजर रहेगी।

SHORT NEWS

छत्तीसगढ़ी को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए सकारात्मक पहल

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोक भवन में छत्तीसगढ़ी भाषाविदों ने भेंट कर छत्तीसगढ़ी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने तथा इसके संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के संबंध में चर्चा की। भाषाविदों ने राज्यपाल को छत्तीसगढ़ी भाषा की प्राचीनता, समृद्ध साहित्यिक परंपरा, व्याकरण, शब्दकोश एवं मानकीकरण की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ी प्रदेश की राजभाषा एवं प्रमुख संपर्क भाषा है और लगभग डेढ़ करोड़ लोग इसका प्रयोग करते हैं। राज्यपाल डेका ने स्वयं पहल करते हुए इस विषय पर सार्थक चर्चा की। छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास और इसे आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की दिशा में सकारात्मक पहल करते हुए कहा कि इसके लिए एक समिति का गठन किया जाएगा। समिति द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के इतिहास, साहित्य, व्याकरण, शब्दकोश एवं अन्य संदर्भ सामग्री का व्यवस्थित संकलन किया जाएगा।

सपनों का आशियाना बना प्रधानमंत्री आवास

रायपुर। अपना घर हर परिवार के लिए केवल चार दीवारों का नाम नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य की उम्मीद होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के इसी सपने को हकीकत में बदल रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को पक्के आवास का लाभ मिल रहा है।

सरगुजा एकलव्य मामले पर मुख्यमंत्री हुए सख्तः जिला कलेक्टर से की फोन पर सीधी बात

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिए जांच के निर्देश, कहा - बच्चियों को अपनी समस्या बताने के लिए पैदल निकलना पड़े, यह स्वीकार्य नहीं

जिम्मेदारी तय कर लापरवाह अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश

विद्यालय की बिजली, पढ़ाई, मेस सहित सभी व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त करने के दिए निर्देश

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा जिले के शिवपुर एकलव्य आवासीय विद्यालय की छात्राओं के अपनी समस्याओं को लेकर पैदल कलेक्टोरेट के लिए निकलने की घटना को गंभीरता से लिया है। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने सरगुजा कलेक्टर श्री अजीत वसंत से दूरभाष पर चर्चा कर पूरे मामले की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने विद्यालय में लंबे समय से समस्याएं बने रहने और छात्राओं को अपनी बात रखने के लिए इस तरह पैदल निकलने की स्थिति उत्पन्न होने पर कड़ी नाराजगी जताई।

मुख्यमंत्री साय ने कलेक्टर से कहा कि बच्चियों को अपनी बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए विद्यालय से पैदल निकलना पड़े, यह स्थिति किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं है। यदि विद्यालय में लंबे समय से बिजली सहित अन्य समस्याएं बनी हुई थीं, तो संबंधित अधिकारियों द्वारा समय रहते उनका समाधान क्यों नहीं किया गया।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को पूरे प्रकरण की जांच कर जिम्मेदारी तय करने और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आदिवासी अंचलों के आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा तथा मूलभूत सुविधाओं को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री साय ने छात्राओं द्वारा सामने लाई गई बिजली, शिक्षकों की कमी, नियमित पढ़ाई, मेस तथा साफ-सफाई से जुड़ी समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कलेक्टर से कहा कि केवल वर्तमान समस्याओं का समाधान पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे छात्राओं की समस्याएं विद्यालय एवं छात्रावास स्तर पर ही समय पर सुनी और दूर की जा सकें।

मुख्यमंत्री ने आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों की व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा और अधिकारियों द्वारा सतत निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि छात्रावासों में रहने वाले बच्चों को किसी परेशानी के समाधान के लिए प्रशासन तक स्वयं पहुंचने की ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। बच्चों की समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी लेना तथा समय पर उनका समाधान करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश के आदिवासी अंचलों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार लगातार संसाधन उपलब्ध करा रही है। इन संसाधनों और योजनाओं का लाभ बच्चों तक सही ढंग से पहुंचे, यह सुनिश्चित करना मैदानी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। शासन की मंशा स्पष्ट है कि प्रत्येक बच्चे को पढ़ाई के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और सकारात्मक वातावरण मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बच्चे हम पर विश्वास करके आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी छोटी से छोटी समस्या को भी संवेदनशीलता के साथ सुनना और उसका समयबद्ध समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने जिला प्रशासन को छात्राओं से संवाद बनाए रखने और विद्यालय की व्यवस्थाओं में किए जा रहे सुधारों की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए।

नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में तेजी लाएं, प्रत्येक मापदंड पर दिखे ठोस सुधार : उप मुख्यमंत्री एवं गृह विजय शर्मा

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने नवीन आपराधिक कानूनों के त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित विभागों तथा अधिकारियों को समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इन कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को अधिक त्वरित, पारदर्शी और तकनीक-आधारित बनाना है तथा इसके लिए कानून में उल्लिखित प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण की जानी चाहिए।

नवा रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में गृह मंत्री श्री शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के नेशनल क्रिमिनल लॉ इम्प्लीमेंटेशन (एनसीएलआई) डैशबोर्ड की रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ की बेहतर स्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। डैशबोर्ड के प्रत्येक मापदंड की बिंदुवार समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की रैंकिंग में और सुधार के लिए हर स्तर पर ठोस कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप जुलाई माह से राज्य की रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उप मुख्यमंत्री ने इस प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए सभी मापदंडों में सुधार की गति बनाए रखने के निर्देश दिए।

कार्यात्मक दक्षता के मापदंड पर सुधार के संबंध में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एफआईआर और चार्जशीट सीधे न्यायालय तक पहुंचाने की व्यवस्था शीघ्र पूर्ण की जाए, ताकि विवेचना से लेकर विचारण तक की प्रक्रिया में लगने वाला समय कम हो।

सक्ती में 11 को होगा भव्य आयोजन, तैयारियों को लेकर विजय शर्मा और गुरु खुशवंत ने लिया जायजा

रायपुर। केंद्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आगामी 11 सितंबर 2026 को सक्ती जिले के ग्राम जेठा स्थित कॉलेज ग्राउंड में आयोजित होने वाले वृहद कार्यक्रम की तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के हितग्राहियों के गृह प्रवेश, पंचायत पदाधिकारी एवं लखपति दीदी सम्मेलन के साथ विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन-शिलान्यास सहित अन्य कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। कार्यक्रम की तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लेने आज उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं जिले के प्रभारी मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ग्राम जेठा पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ सहित संबंधित अधिकारियों के साथ कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद मुख्य मंच, टेंट एवं पंडाल, दर्शक दीर्घा, पत्रकार दीर्घा, अतिथियों एवं आमजनों की बैठक व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल, बायो टॉयलेट, बैरिकेटिंग, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा अतिथियों के आगमन एवं निकासी से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक व्यवस्था की वर्तमान प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि कार्यक्रम में आने वाले अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, मीडिया प्रतिनिधियों, हितग्राहियों और आमजनों की सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

एजुकेशन किट वितरण- उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने 1500 छात्राओं को दी सौगात

रायपुर। शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय, कोरबा में आयोजित दीक्षारम्भ समारोह में कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत किया और अतिथियों द्वारा महाविद्यालय की लगभग 1,500 छात्राओं को सीएसआर मद के माध्यम से एजुकेशन किट प्रदान की गई।

कार्यक्रम में महापौर संजू देवी राजपूत अति विशिष्ट अतिथि तथा कलेक्टर कुणाल दुदावत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचनात्मक विकास पर जोर देते हुए मंत्री देवांगन ने कहा कि मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में डीएमएफ मद से विशाल डोम का निर्माण कराया जाएगा।

मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल डेका ने न्यायाधिपति कृष्ण राम महापात्र को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की दिलाई शपथ

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने न्यायाधिपति कृष्ण राम महापात्र को आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। इसके पूर्व श्री कृष्ण राम महापात्र उड़ीसा हाईकोर्ट के वरिष्ठ जज के पद पर कार्यरत थे। राज्यपाल श्री डेका ने मुख्य न्यायाधीश श्री कृष्ण राम महापात्र को राष्ट्रपति द्वारा जारी मूल वारंट की प्रति सौंपी। राज्यपाल ने मुख्य न्यायाधीश श्री महापात्र को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री तोखन साहू, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक सुनील सोनी, अनुज शर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। समारोह में मुख्य न्यायाधीश महापात्र की धर्मपत्नी अनिता महापात्र सहित छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण उपस्थित थे। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन प्रदेश के मुख्य सचिव श्री विकास शील द्वारा किया गया तथा उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा जारी वारंट का वाचन किया।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, प्रमुख सचिव गृह विभाग श्रीमती निहारिका बारिक, पुलिस महानिदेशक श्री अरूण देव गौतम, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, महाधिवक्ता श्री विवेक शर्मा, उच्च न्यायालय बिलासपुर के रजिस्ट्रार जनरल श्री रजनीश श्रीवास्तव सहित राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं हाईकोर्ट के अधिवक्तागण उपस्थित थे।

60 महिलाओं एवं बालिकाओं ने लिया हिस्सा, प्रमाण पत्र अगले सप्ताह देने की तैयारी

बलौदाबाजार । अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, कुकुरदी सीमेंट वर्क्स के सीएसआर विभाग द्वारा ग्राम ढनढनी एवं सरकीपार में संचालित तीन माह के बेसिक सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम की मुख्य परीक्षा संपन्न हुई। ढनढनी केंद्र में परीक्षा आयोजित की गई, जबकि सरकीपार केंद्र में परीक्षा 4 सितंबर को हो चुकी है।

यह प्रशिक्षण 1 मई से 31 जुलाई 2026 तक संचालित किया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाना था। दोनों केंद्रों की कुल 60 प्रशिक्षणार्थियों ने लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा में भाग लिया। इसमें सिलाई का तकनीकी ज्ञान, माप लेने, डिजाइनिंग, परिधान निर्माण सहित प्रशिक्षण के दौरान अर्जित दक्षताओं का मूल्यांकन किया गया। प्रतिभागियों ने उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र आगामी सप्ताह में प्रदान किए जाने की योजना है।

अल्ट्राटेक कुकुरदी के सीएसआर प्रमुख राजेंद्र कुशवाहा ने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के लिए कंपनी लगातार प्रयासरत है। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को सिलाई एवं परिधान निर्माण के क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

शासकीय आई.टी.आई.जॉजगीर में 10 सितम्बर 2026 को होगा रोजगार मेला का आयोजन

जांजगीर-चांपा । जिला रोजगार कार्यालय जॉजगीर द्वारा शासकीय आई.टी.आई.जॉजगीर में 10 सितम्बर दिन गुरुवार को प्रातः 11:00 बजे से 3.00 बजे तक एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया है।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि जिसमें निजी क्षेत्र के 03 नियोजक उपस्थित रहेगें। कैरियर ट्री चेन्नई द्वारा ट्रेनी 150 पद, चैतन्य फाईनेंस इंडिया लिमिटेड रायगढ़ द्वारा कस्टमर रिलेशनशिप एक्जीक्टिव के 20 पद एवं भारतीय जीवन बीमा निगम नैला द्वारा बीमा सखी के 20 पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जाएगी। उक्त पद हेतु शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, डिप्लोमा/इंजीनियरिंग/बीई निर्धारित किया गया है। कंपनी द्वारा वेतनमान 12000 से 29000 व अन्य भत्ते देय होगा। चयनित उम्मीदवारों का कार्यक्षेत्र जांजगीर, सक्ती, डभरा, व अन्य राज्य चेन्नई, होगा। इच्छुक युवा जो उक्त रोजगार मेला में शामिल होना चाहते है वे अपना समस्त शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्रों तथा जिला रोजगार कार्यालय के रोजगार पंजीयन कार्ड के साथ निर्धारित तिथि को उपस्थित होकर रोजगार मेला में शामिल हो सकते है। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार कार्यालय जॉजगीर चाम्पा/सक्ती से संपर्क किया जा सकता है।

भाजपा ने संकल्प अभियान के तहत किया जनसेवा कार्यक्रम

बलौदाबाजार । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेशभर में सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में भाजपा जिला बलौदाबाजार के तत्वावधान में जनसेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन जैन मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सनम जांगड़े, जिला अध्यक्ष आनंद यादव, अजय राव, टेसूलाल धुरंधर, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा गोलू जायसवाल सहित भाजपा के मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नंदन जैन ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा, सहयोग और जनकल्याण की भावना पहुंचाना है। अभियान के तहत स्वच्छता, पौधरोपण, रक्तदान, स्वास्थ्य परीक्षण, नशामुक्ति, आंगनबाड़ी में महिलाओं का सम्मान, चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचारों और जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। जिला अध्यक्ष आनंद यादव ने योजनाओं का लाभ घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया।

प्रतियोगिता से युवाओं में अनुशासन, टीम भावना एवं नेतृत्व क्षमता का विकास होता है -सालिक साय

पत्थलगांव। बनगाँव बी में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन समारोह उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह में क्षेत्र के डीडीसी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। आयोजन स्थल पर पहुंचने पर सालिक साय का आयोजन समिति एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। समापन समारोह में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। फुटबॉल प्रतियोगिता ने क्षेत्र के युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ ही ग्रामीण अंचल में खेल प्रतिभाओं को सामने लाने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम में सरपंच प्रमिला भगत, लोकेर सरपंच नीलमती पैंकरा, डुमरबहार सरपंच जगत तारणी मिंज, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता नीलाम्बर यादव, उपसरपंच गोविंद यादव, अटल साय, पंच राजेश्वर भगत, बिमल यादव,हाजिर मोहम्मद, दिलबोध भगत एवं सुंदर साय सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में आमजनमानस की उपस्थिति रही।

ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने पर जोरः समापन समारोह को संबोधित करते हुए सालिक साय ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में इस तरह की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलता है और उनमें खेल के प्रति उत्साह बढ़ता है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। उन्होंने क्षेत्र में खेल गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए आयोजन समिति और स्थानीय लोगों के प्रयासों की सराहना की।

किसानों के प्रति संवेदनशील भाजपा सरकार : आलोक सिंह ठाकुर

शिक्षक दिवस पर अल्ट्राटेक कुकुरदी ने शिक्षकों का किया सम्मान

बालोद। किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिला बालोद की जिला कार्यसमिति बैठक जिला कार्यालय जूँगेरा में आहूत की गई। किसान मोर्चा की उक्त बैठक में किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिला पदाधिकारी, सभी मंडलों के अध्यक्ष एवं महामंत्रीगण, विभिन्न प्रकल्पों के संयोजक

उपस्थित रहेद्य बैठक को संबोधित करते हुए आलोक ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की भाजपा सरकार सदैव किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाएं बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री स्वयं किसान हैं एवं किसानों की समस्याओं से भली भांति अवगत हैं। वे निरंतर किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने हेतु लगातार चिंतन कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी

किसानों के उपज का सही भंडारण विक्रय केंद्र एवं उचित मूल्य का निर्धारण करने हेतु लगातार प्रयास कर रहे हैं। भाजपा सरकार ना सिर्फ धान उपज की ओर ध्यान दे रहे हैं बल्कि नगद फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करते हुए नित ने नई योजनाएं बना रहे हैं। एवं किसानों को सब्सिडी भी प्रदान कर रहे हैं। भाजपा सरकार किसानों से आग्रह कर रही है कि रासायनिक उर्वरकों का कम से कम उपयोग करें ताकि जमीन बंजर होने की स्थिति पर न आने पाए। इसके लिए पुरातन प्राकृतिक खेती / जैविक खेती को अपनाने का आह्वान कर रही है। प्राकृतिक खेती/ जैविक खेती की ओर अग्रसर होंगे तो रासायनिक पदार्थों से होने वाले नुकसान से अपने शरीर को बचा पाएंगे। प्राकृतिक खेती करने से हम गोवंश का भी संवर्धन कर पाएंगे।

तीजा-पोरा के रंग में रंगा भरदाकला, साहू समाज ने बढ़ाया महिला सम्मान

बालोद। तहसील साहू संघ अर्जुन्दा के तत्वावधान में ग्राम भरदाकला के बाजार चौक में छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और महिला सम्मान को समर्पित भव्य तीजा-पोरा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संत शिरोमणि मां कर्मा माता की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। महोत्सव की मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहूरहीं, वहीं अध्यक्षता प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू ने की। इस अवसर पर डॉ. नीरेंद्र साहू ने कहा कि समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाते हुए अपनी प्रतिभा और हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। तहसील साहू संघ अर्जुन्दा के अध्यक्ष उमाशंकर साहू ने बताया कि महोत्सव के दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें गुब्बारा फोड़, प्रश्नोत्तरी, रस्साकशी, चम्मच दौड़ सहित कई खेल शामिल रहे। महिलाओं ने पूरे उमंग और उत्साह के साथ हिस्सा लिया, जिससे पूरा पंडाल हंसी-खुशी से सराबोर रहा। मुख्य अतिथि डॉ. ममता साहू ने अपने संबोधन में कहा कि तीजा-पोरा केवल पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, पारिवारिक परंपरा और सामाजिक जुड़ाव का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से महिलाओं को सम्मान तो मिलता ही है, साथ ही उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच भी मिलता है। साहू समाज ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अनुकरणीय पहल की है। ग्राम पंचायत भरदाकला के सरपंच क्रांतिभूषण साहू ने कहा कि आयोजन में महिलाओं के सम्मान को विशेष प्राथमिकता दी गई। यह आयोजन संदेश देता है कि समाज की प्रगति में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और उनके बिना सामाजिक विकास अधूरा है।

शिक्षा के साथ नैतिक गुणों का विकास जरूरी, तभी बनेगा विकसित भारत : पुष्पा दीदी

छुरिया/राजनांदगांव । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, राजनांदगांव द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में 6 सितम्बर रविवार को शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन ज्ञान मानसरोवर में किया गया। इस अवसर पर विकसित भारत के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका विषय पर वक्ताओं ने सारगर्भित उदबोधन दिया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य वक्ता सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी ने कहा कि आज शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में नैतिक मूल्यों एवं सद् गुणों का विकास करना समय की आवश्यकता है। केवल किताबी ज्ञान से ही विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है। बच्चों को ईमानदारी, अनुशासन, संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और संस्कारों से जोड़ना भी शिक्षकों का दायित्व है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक बच्चों के जीवन को दिशा देने का कार्य करते हैं। इसलिए सबसे पहले शिक्षक को स्वयं अपने जीवन में नैतिकता और श्रेष्ठ आचरण को अपनाना होगा। बच्चे शिक्षक द्वारा कही गई बातों से अधिक उनके व्यवहार और आचरण से सीखते हैं। यदि शिक्षक स्वयं आदर्श प्रस्तुत करेंगे, तो उसका सकारात्मक प्रभाव विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं भविष्य पर पड़ेगा। ब्रह्माकुमारी |पुष्पादीदीजी ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करा कर आत्म अनुभूति कराई। मुख्य अतिथि कवर्धा के जिला शिक्षा अधिकारी एफ आर वर्मा,प्रो डॉ डाकेश्वर वर्मा, राजनांदगांव के पूर्व विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी राजूलाल मोहबे,राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक थंगेश्वर कुमार साहू,प्राचार्य वीरेन्द्र दुबे,सविता अवस्थी,हंसराज सोनपिपरे,आरती देवांगन,अनिता सहारे,कुसुम ठाकरे,शिक्षक आशिफ खान ने भी अपनी शुभकामनाएं देते हुए शिक्षकों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने नैतिक शिक्षा एवं संस्कारों को विद्यार्थियों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की महत्ता बतायी कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारी प्रभा बहन जी ने किया।

1.08 लाख रुपये की डबल सब्सिडी से सोलर संयंत्र लगाने में मिली बड़ी राहत

रायपुर । प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना सरगुजा जिले में परिवारों को बिजली खर्च से राहत देने के साथ उन्हें ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। घरों की छतों पर स्थापित रूफटॉप सोलर संयंत्र अब केवल घरेलू बिजली की जरूरत पूरी करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हितग्राही अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर विद्युत ग्रिड में भी योगदान दे रहे हैं। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत आमदरहा निवासी आलम साय रजवाड़े इसकी प्रेरणादायी मिसाल हैं।

बिजली उपभोक्ता से बने बिजली दाताः आलम साय ने अपने घर की छत पर प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर संयंत्र स्थापित कराया। उन्होंने बताया कि संयंत्र लगने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 1,500 से 2,000 रुपये तक आता था। सौर ऊर्जा का उपयोग शुरू होने के बाद पिछले लगभग साढ़े तीन महीने से उनका बिजली बिल शून्य है। इससे परिवार के मासिक खर्च में उल्लेखनीय राहत मिली है।

आलम साय कहते हैं, पहले मैं बिजली उपभोक्ता था, लेकिन अब बिजली दाता बन गया हूं। उन्होंने बताया कि सोलर संयंत्र से उत्पादित बिजली से पहले घर की जरूरत पूरी होती है और इसके बाद बचने वाली अतिरिक्त बिजली ग्रिड में चली जाती है।

साढ़े तीन माह में 850 यूनिट अतिरिक्त बिजली ग्रिड को दीः आलम साय के अनुसार उनके घर में स्थापित सोलर संयंत्र से घरेलू खपत के बाद अतिरिक्त बिजली का भी उत्पादन हो रहा है। लगभग साढ़े तीन महीने की अवधि में करीब 850 यूनिट अतिरिक्त बिजली ग्रिड को दी जा चुकी है। इस तरह उनका परिवार बिजली की जरूरत पूरी करने के साथ ऊर्जा उत्पादन में भी भागीदार बन गया है।

1.08 लाख रुपये की डबल सब्सिडी से कम हुआ आर्थिक भारः आलम साय ने बताया कि सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए उन्हें केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रुपये तथा राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रुपये की सहायता प्राप्त हुई। इस तरह कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी मिलने से सोलर संयंत्र स्थापित करने का आर्थिक भार काफी कम हुआ। उन्होंने बताया कि योजना के तहत आवेदन से लेकर संयंत्र स्थापना तक की प्रक्रिया सुविधाजनक रही। योजना से मिले लाभ से उत्साहित आलम साय ने अन्य पात्र बिजली उपभोक्ताओं से भी प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने की अपील की।

मेलबर्न के सॉफ्टवेयर इंजीनियर विवेक यदु ने की छत्तीसगढ़ पुलिस की पहल की सराहना

बलौदाबाजार । छत्तीसगढ़ पुलिस के प्रदेशव्यापी 'साइबर जागृति अभियान' की गूंज अब विदेश तक पहुंच गई है। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस अधीक्षक गौरव राय की पहल पर ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में कार्यरत भारतीय मूल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर विवेक यदु ने अभियान से जुड़कर साइबर अपराध से बचाव के लिए लोगों को जागरूक रहने का संदेश दिया है।

मेलबर्न से जारी वीडियो संदेश में यदु ने कहा कि आधुनिक तकनीक के दौर में साइबर अपराधी एआई, डीपफेक और वॉइस क्लोनिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल कर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसे में साइबर जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि फर्जी कॉल, डिजिटल अरेस्ट, दुर्घटना के नाम पर ठगी सहित अन्य मामलों में घबराने के बजाय पहले तथ्यों की पुष्टि करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा के लिए तकनीकी उपायों के साथ उपयोगकर्ता की जागरूकता भी जरूरी है। ओटीपी, पासवर्ड अथवा बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा नहीं करनी चाहिए। साइबर ठग कई बार लालच या डर का फायदा उठाकर लोगों से जानकारी हासिल करते हैं।

'एक सेल्फी' पहल को बताया रचनात्मक

विवेक यदु ने पुलिस के 'जागरूकता की एक सेल्फी' अभियान की सराहना करते हुए इसे युवाओं को साइबर सुरक्षा से जोड़ने का रचनात्मक माध्यम बताया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि पुलिस के बैनर-पोस्टर पर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर अभियान से जुड़ें और साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी परिवार, मित्रों एवं परिचितों तक पहुंचाएं। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी या संदिग्ध लिंक-कॉल की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें।

मेडिकल कॉलेज में चयनित गांव की छात्रा का करेंगे सम्मान

बालोद । कोड़ेवा कल्याण समिति की बैठक रविवार को बालोद में हुई। बैठक में मासिक सहयोग राशि का संग्रहण किया गया वहीं लोन के रूप में सदस्यों को वितरित भी किया गया। इसके अलावा माह नवंबर की बैठक में ग्राम कोड़ेवा की मंजू साहू का मेडिकल कॉलेज में चयनित होने पर सम्मान करने का फैसला भी लिया गया। बैठक के बाद सदस्यों ने तांदुला रिजॉर्ट पहुंचकर वहां का आनंद भी लिया। प्रति माह समिति के सदस्यों के घर आयोजित होने वाली बैठक की कड़ी में माह अगस्त की बैठक रविवार को बालोद निवासी टीकम पिपरिया के निवास में हुई। बैठक में नियमित अर्थ संग्रह व लोन वितरण के पश्चात आने वाले समय में कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। इसमें सदस्यों ने प्रस्ताव रखा कि ग्राम कोड़ेवा निवासी मंजू साहू ने नीट में बेहतर प्रदर्शन करते हुए मेडिकल कॉलेज में चयनित हुई है।

भंडेरा हायर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षकों का टोटा, छात्राओं ने सरपंच से लगाई गुहार

बालोद । डौंडीलोहारा ब्लाक के ग्राम पंचायत भंडेरा के हायर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षा व्यवस्था चरमराई हुई है। स्कूल में विषयवार शिक्षकों की भारी कमी के चलते छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसी समस्या को लेकर सोमवार को स्कूल की छात्राएं ग्राम पंचायत पहुंचीं और सरपंच नेमीन भुआर्य को अपनी परेशानी बताई। छात्राओं ने बताया कि स्कूल में रसायन शास्त्र, भौतिकी, हिंदी, संस्कृत और भूगोल जैसे महत्वपूर्ण विषयों के पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं। शिक्षक नहीं होने के कारण इन विषयों की कक्षाएं नियमित रूप से नहीं लग पा रही हैं और अभी तक कोर्स शुरू तक नहीं हो पाया है।

बोर्ड परीक्षा की चिंता में छात्राएंः कक्षा 1श्वीं और 12वीं की छात्राओं ने कहा कि साल का महत्वपूर्ण समय बीत रहा है, लेकिन पढ़ाई नहीं होने से वे काफी परेशान हैं। बोर्ड परीक्षा नजदीक आने के साथ ही उनके भविष्य पर संकट मंडरा रहा है। कई छात्राएं निजी कोचिंग लेने को मजबूर हैं, जिससे गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

सरपंच ने दिया आश्वासनः छात्राओं की समस्या सुनने के बाद सरपंच नेमीन भुआर्य ने जल्द ही इस मामले को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने और जिला शिक्षा अधिकारी से शिक्षकों की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि भंडेरा हायर सेकेंडरी स्कूल इस क्षेत्र का प्रमुख स्कूल है, जहां आसपास के कई गांवों के बच्चे पढ़ने आते हैं। शिक्षकों की कमी से सैकड़ों बच्चों का भविष्य अंधकार में है।

चुन्नी लाल ध्रुव बने मंडी एवं मंडी बोर्ड कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष, प्रथम आगमन पर जोरदार स्वागत

भाटापारा । छग मंडी एवं मंडी बोर्ड कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष पद पर चुन्नीलाल ध्रुव सचिव वरिष्ठ के निर्वाचित होने के उपरांत प्रथम आगमन कृषि उपज मंडी भाटापारा में पहुंचने परअधिकारी कर्मचारी संघ के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया इसके अलावा पत्रकार संतोष अग्रवाल,राजेश शर्मा, कृषक कल्याण अभिकर्ता संघ के अध्यक्ष राजेश तिवारी, सचिव मनमीत सलूजा, शरदमल, लककी छाबड़ा हुए विदित हो कि इस निर्वाचन में भाटापारा कृषि उपज मंडी में पदस्थ सचिव चुन्नी लाल ध्रुव प्रदेश अध्यक्ष के लिए निर्वाचित हुए है उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी डॉक्टर मलिक राम पोरते को 151 मतों से पराजित किया।अपनी जीत से प्रफुल्लित ध्रुव ने अपने प्रदेश मंडी के साथियों के हितों में काम करने का विश्वास दिलाते हुए उन्हें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश के मंडी बोर्ड एवं मंडी बोर्ड कर्मचारी महासंघ का चुनाव रविवार को रायपुर में सम्पन्न हुआ।प्रदेश अध्यक्ष के लिए हुए चतुर्थ कोणीय चुनाव में चुन्नी लाल ध्रुव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को लगभग 151 मतो से पराजित कर प्रदेश अध्यक्ष बने। जानकारी अनुसार ध्रुव को 339 मत मिले,जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी को डा मालिक राम पोर्ते को 188 मत , नन्द कुमार सोनी को 122, व रविशंकर तिवारी को 13मत मिले। कुल 666 मत पड़े,जिसमें 4 मत निरस्त हुए।

इस प्रदेश स्तरीय चुनाव को लेकर काफी समय से सरगर्मी बनी हुई थी और इस चुनाव और उसके परिणाम को लेकर अन्य लोगों में भी काफी उत्सुकता थी।रविवार को हुए चुनाव में विजई हासिल करने के बाद चुन्नी लाल ध्रुव को बधाई देने वालों का लगातार तांता बना हुआ है।अपनी जीत के बाद ध्रुव ने प्रदेश के अपने साथियों के प्रति आभार जताते हुए उनका धन्यवाद ज्ञापित किया है,उन्होंने विश्वास जताया है कि उनकी संज्ञान में जो भी विषय कर्मचारी अधिकारी के हितों के लिए आयेगा,उसके लिए वे अपने संघ के साथ खड़े रहेंगे।

इस बीच भाटापारा कृषि उपज मंडी के मंडी सचिव सी एल ध्रुव के प्रदेश अध्यक्ष बनने की खबर स्थानीय मंडी में आते ही खुशी का माहौल है । मण्डी ईकाई अध्यक्ष सु निशा सिंह , प्रफुल्ल कुमार मांझी मंडी निरीक्षक , बालगोविंद कश्यप मंडीनिरीक्षक, मनोहर राव भोसले मंडी निरीक्षक परशुराम सोनवानी लेखापाल सत्यनारायण यादव उपनिरीक्षक ,श्याम लाल साहू ,ओमप्रकाश पाल फणेन्द्र दीवान,डेमनलाल मुरलीमनोहर यादव सहायक ग्रेड 1, नरेंद्र साहू सहायक ग्रेड 3,,वीरेन्द्र वर्मा ,धर्मेन्द्र यदु सहित अनेक कर्मचारियों,व्यापारियों ने ध्रुव को बधाई एवं शुभकामना दी है।

देश के टॉप-10 पुलिस कप्तानों में शामिल हुए एसपी गौरव राय, सीएम साय ने दी बधाई

बलौदाबाजार । बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने अपनी कार्यशैली और प्रभावी पुलिस नेतृत्व के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। फेम इंडिया-एशिया पोस्ट के 'सर्वश्रेष्ठ पुलिस कप्तान 2026' सर्वेक्षण में उन्हें देश के टॉप-10 पुलिस कप्तानों में स्थान मिला है। उन्होंने 875 अंक हासिल किए हैं। छत्तीसगढ़ से इस सूची में शामिल होने वाले वे एकमात्र पुलिस अधिकारी बताए गए हैं। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एसपी गौरव राय को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने दंतेवाड़ा में उनके कार्यकाल के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्यों की विशेष सराहना की। उन्होंने चुनौतीपूर्ण नक्सल प्रभावित क्षेत्र में रणनीतिक पुलिसिंग, प्रभावी नक्सल विरोधी अभियानों और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। 2019 बैच के आईपीएस अधिकारी गौरव राय मूल रूप से महाराष्ट्र के अमरावती के निवासी हैं। पुणे से सिविल इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण कर छत्तीसगढ़ कैडर चुना। बीजापुर में सेवा के बाद वर्ष 2023 में उन्हें दंतेवाड़ा का एसपी बनाया गया। दंतेवाड़ा में उन्होंने सुरक्षा अभियानों के साथ स्थानीय लोगों का विश्वास बढ़ाने, दूरस्थ क्षेत्रों में प्रशासनिक पहुंच मजबूत करने और विकास कार्यों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने पर जोर दिया। सुरक्षा बलों के बीच समन्वय, खुफिया सूचनाओं के प्रभावी उपयोग और संचालनात्मक तैयारियों को भी प्राथमिकता दी गई।

शिक्षक दिवस पर मिले दो गुरु, किया एक दूसरे का सम्मान

बालोद । गुरु सिर्फ गुरुजी (शिक्षक) ही नहीं होते, बल्कि हर वह व्यक्ति गुरु है जिससे हमें कुछ सीखने को मिलता है, या फिर जो किसी को ज्ञान दान देता है। इसी अवधारणा को लेकर 83 वर्षीय मानिकपुरी समाज के गुरु महंत गिरधारी दास मानिकपुरी (दोनों पैर से दिव्यांग) ने शिक्षक दिवस के दिन वरिष्ठ पत्रकार टीकम पिपरिया से उनके निवास में मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों ने एक दूसरे का सम्मान भी किया।

शिक्षक दिवस पर एक तरफ अनेक जगहों पर बड़े-बड़े आयोजन हुए जहां शिक्षकों का सम्मान किया गया। तो दूसरी ओर ग्राम कोड़ेवा निवासी महंत गिरधारी दास मानिकपुरी (मानिकपुरी पनिका समाज के गुरु) वरिष्ठ पत्रकार टीकम पिपरिया के निवास पहुंचकर उनके द्वारा प्रकाशित कुछ खबरों का संकलन वाइंडिंग करा कर उन्हें प्रदत्त किया। साथ ही गुरुवाणी व कबीर के दोहे का संकलन भी उन्हें भेंट किया। महंत गिरधारी दास मानिकपुरी का कहना है कि शिक्षक दिवस पर गुरुओं का सम्मान होता है और गुरु वह है जिससे हम कुछ सीख पाते हैं।

ग्राम पंचायत सदस्य एसोसिएशन की स्वाभिमान संकल्प यात्रा में दिखी पंचायत सदस्यों की एकजुटता

राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौहान का गर्मजोशी से स्वागत, जिला कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन

राजनांदगांव । ग्राम पंचायत सदस्य एसोसिएशन द्वारा 6 सितंबर को राजनांदगांव जिले में स्वाभिमान संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे ग्राम पंचायत सदस्यों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान संगठन की एकजुटता, पंचायत सदस्यों के सम्मान और उनके अधिकारों को लेकर सामूहिक रूप से संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सदस्य एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके राजनांदगांव पहुंचने पर संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार शुकतेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं राष्ट्रीय संरक्षक रामबृक्ष ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। प्रदेश संयुक्त सचिव अनुजराम निषाद सहित संगठन से जुड़े पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पंचायत सदस्य उपस्थित रहे। स्वाभिमान संकल्प यात्रा के दौरान पंचायत सदस्यों ने संगठन को मजबूत बनाने तथा ग्राम पंचायतों के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि ग्राम पंचायत सदस्य ग्रामीण लोकतंत्र की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। गांव के विकास एवं स्थानीय स्तर की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में पंचायत सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। ऐसे में पंचायत सदस्यों को एकजुट होकर अपने अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक रहना आवश्यक है। जिला कार्यकारिणी का गठन कार्यक्रम का महत्वपूर्ण पक्ष ग्राम पंचायत सदस्य एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी का गठन रहा। उपस्थित सदस्यों की सहमति से नई जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया।

भाजपा संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही का अर्जुंदा मंडल में भव्य स्वागत, कार्यकर्ताओं को दिया भारत माता की सेवा का संकल्प

बालोद । भारतीय जनता पार्टी के संभाग संगठन प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही के बालोद जिले के संगठनात्मक दौरे के दौरान शनिवार को नगर अर्जुंदा में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा ऐतिहासिक और भव्य स्वागत किया गया। गुंडरदेही विधानसभा की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने से पूर्व पाणिग्रही का आगमन अर्जुंदा के पावन धरा पर हुआ।अटल चौक पर संभाग प्रभारी के पहुंचते ही पूरा परिसर गगनभेदी नारों और पटाखों की गूंज से जीवंत हो उठा। भाजपा मंडल अध्यक्ष विश्वास जीतू गुप्ता के नेतृत्व में उपस्थित सैकड़ों पदाधिकारियों एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने पाणिग्रही का फूल-मालाओं से आत्मीय अभिनंदन किया।इसके पश्चात, संगठन संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही ने बिलासपुर संगठन संभाग सहप्रभारी अभिषेक शुक्ला, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के उपाध्यक्ष नरेश यदु, और जिला भाजपा अध्यक्ष चेमन देशमुख सहित वरिष्ठ नेताओं के साथ भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर गरिमामय माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।स्वागत समारोह के बाद संभाग प्रभारी पाणिग्रही ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं से आत्मीय परिचय प्राप्त किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं में नए जोश का संचार करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण की इकाई है। उन्होंने सभी को भारत मां की जय के मूल मंत्र के साथ धरातल पर पूरी ऊर्जा से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष विश्वास जीतू गुप्ता, महामंत्री गुमान यादव, रोशन अमृत, उपाध्यक्ष पवन सोनवर्षा, संजय साहू, शिव देवांगन, ओशाभ यादव, पंकज चौधरी, नवीन राजपूत, रितेश देवांगन, चंगू यादव, छबि कोर्राम, असलम खान, गिरधर निषाद, हरीश साहू, खोमान चंद्राकर, ज्ञान सिंह ठाकुर, राम प्रसाद यादव, संतोष यादव सहित भारी संख्या में उपस्थित थे।

न्यायमूर्ति राकेश मोहन पांडेय ने किया जिला न्यायालयों का निरीक्षण

न्याय प्रक्रिया को सरल, सुलभ और प्रभावी बनाने पर दिया जोर

बलौदाबाजार । माननीय न्यायमूर्ति राकेश मोहन पांडेय ने शनिवार को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के न्यायालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत भाटापारा न्यायालय से हुई, इसके बाद उन्होंने जिला एवं सत्र न्यायालय बलौदाबाजार का जायजा लिया। दोनों स्थानों पर अधिवक्ता संघों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया।

निरीक्षण के दौरान न्यायमूर्ति पांडेय ने न्यायालयीन कार्यप्रणाली, परिसर की व्यवस्थाओं, अभिलेखों सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने न्यायिक कार्यों के सुचारू एवं प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों और अधिवक्ताओं से संवाद कर न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने पर चर्चा की। विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों की ली जानकारी जिला न्यायालय के निरीक्षण के दौरान न्यायमूर्ति पांडेय ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नि:शुल्क विधिक सहायता, विधिक जागरूकता, लोक अदालत तथा जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को न्याय उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि न्याय केवल न्यायालय तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना न्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं से पक्षकारों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए न्याय प्रक्रिया को सरल, सुलभ और प्रभावी बनाने का आह्वान किया। न्यायमूर्ति पांडेय ने कहा कि न्यायालय में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति न्याय की उम्मीद लेकर आता है। इसलिए समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण न्याय उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने न्याय व्यवस्था में अधिवक्ताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए न्याय के उद्देश्यों की पूर्ति में उनके सहयोग को आवश्यक बताया। निरीक्षण के अवसर पर न्यायिक अधिकारी, न्यायालयीन कर्मचारी, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष शारिक खान, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक पिल लाल पटेल का शिक्षक संघ जाजगीर चांपा ने किया अभिनंदन

जांजगीर-चांपा । शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाला नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार एवं चरित्र का निर्माता तथा राष्ट्र के भविष्य का शिल्पकार होता है। समाज में शिक्षक की भूमिका सदैव सर्वोच्च एवं सम्माननीय रही है। लोक भवन छत्तीसगढ़ मंडपम सभागार, रायपुर में 5 सितंबर 2026 को आयोजित राज्य शिक्षक समारोह-2026 में महामहिम राज्यपाल रमन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, शिक्षा सचिव कमलप्रीत सिंह एवं डीपीआई के अधिकारियों के हाथों सम्मानित छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ जिला सक्ती के जिलाध्यक्ष पिल लाल पटेल का जिला जांजगीर-चांपा शिक्षक संघ इकाई द्वारा उनके सक्ती स्थित निवास पहुंचकर आत्मीय अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ की आजीवन सदस्य एवं जिला शिक्षा अधिकारी सक्ती डॉ. कुमुदिनी वाघ द्विवेदी, प्रांतीय मंत्री भुवनेश्वर, जिला अध्यक्ष जांजगीर-चांपा डॉ. रविन्द्र द्विवेदी, जिला संगठन मंत्री राजेंद्र जायसवाल एवं जिला सचिव लक्ष्मीनारायण तिवारी तथा जिला सक्ती से मती रीता राज,रामनारायण सिदार, बीरबल सोनवानी,वीरेंद्र धीरहे विशेष रूप से उपस्थित थे। डॉ. कुमुदिनी वाघ द्विवेदी ने बधाई उद्बोधन में कहा कि पिल लाल पटेल को प्राप्त राज्यपाल पुरस्कार उनकी उत्कृष्ट शिक्षकीय सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा एवं शिक्षा के प्रति समर्पण का सम्मान है। यह उपलब्धि जिला सक्ती सहित पूरे शिक्षा जगत के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित पिल लाल पटेल एवं छविलाल राठौर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल एवं यशस्वी भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शिक्षक संघ पदाधिकारियों ने पिल लाल पटेल को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा उनकी उपलब्धि को शिक्षकों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया।

विधायक ने 10 लाख की लागत से मेहर समाज सामुदायिक भवन का किया भूमिपूजन

भाटापारा । ग्राम पंचायत सिंगारपुर में तहसील मेहर समाज की सांस्कृतिक, सामाजिक और बुनियादी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विधायक इन्द्र साव ने ?10 लाख की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण का विधि-विधान से भूमिपूजन किया। इस नए भवन के निर्माण से स्थानीय मेहर समाज को अपने सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक सर्वसुविधायुक्त मंच उपलब्ध होगा। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों और युवाओं को संबोधित करते हुए विधायक इन्द्र साव ने कहा कि गाँव की सुरक्षा, शांति व्यवस्था बनाए रखना और असामाजिक तत्वों पर नज़र रखना क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों और युवा साथियों की सामूहिक ज़िम्मेदारी है।

युवाओं को आगे आकर गाँव के विकास और सुरक्षा में अपनी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। विधायक ने क्षेत्र की जनता को आश्वस्त करते हुए आगे कहा, मेरा हर संभव प्रयास रहेगा कि ग्रामीण अंचलों में बुनियादी सुविधाओं की कोई कमी न हो। सड़क, पानी, बिजली और सामुदायिक भवनों जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है और मेहर समाज के विकास के लिए मैं सदैव प्रतिबद्ध हूँ। इस अवसर पर सुरेश डांडेकर, रामरतन डांडेकर, श्यामरतन लहरी, मोहितराम दांडे, रामप्रसाद शिवारे, ईश्वर बघेल,संतोष लहरी,रमेश कुल्हाड़े, मोहितलहरी, गंगाप्रसाददांडे, कलाराम पाटले , प्रभु लहरी , शत्रुहन दांडे , राकेशमिर्जा, बेदराम लहरी , शालिकराम लहरी, राजू लहरी , वीरेंद्रलहरी , सुरेश दांडे , धनुषदांडे, संतोष दांडे , माखनदांडे सहित ग्राम सिंगारपुर के स्थानीय जनप्रतिनिधि, मेहर समाज के प्रमुख सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एक ही जमीन में तीन बार पौध रोपण और फेंसिंग पर लाखों रूपये फूंके वन विभाग

जांजगीर-चांपा । शासकीय भूमि पर पौध रोपण का काम वैसे अधिकारियो के लिए लाखों रूपये कमाने का एक बहुत अच्छा माध्यम बन चुका है। पौधा जीवित रहे या न रहे। इससे कोई सरोकार नहीं है। इसका ताजा उदाहरण चाम्पा तहसील अंतर्गत ग्राम कोसमंदा में देखा जा सकता है। जहाँ वर्ष 2001 में वन विभाग ने सूखा राहत योजना के तहत पौध रोपण और पौधों की सुरक्षा के नाम पर लोहे की तार तथा सीमेंट की पोल लगाकर लाखों रूपये खर्च किया था। सालभर के भीतर फेंसिंग तार की चोरी हो गई और मवेशी पौधों को चट कर गई। करीब 10 वर्ष बाद उसी जमीन पर दुबारा मनरेगा के तहत पौध रोपण का काम कराया गया। जिसमें करीब 50 एकड़ का पौधा जीवित रहा और करीब दो सौ एकड़ भूमि की पौधा नष्ट हो गया और तार की चोरी हो गई। अब वन विभाग ने इसी शासकीय भूमि पर पौध रोपण के नाम पर तीसरा बार लाखों रूपये खर्च किया है। अब देखना यह होगा कि तीसरे बार में किये गए पौध रोपण में कितने पौधे जीवित रहेगीं।

323 मतों के बड़े अंतर से ऐतिहासिक जीत, निकटतम प्रतिद्वंद्वी से तीन गुना मत हासिल किए

जावेद अंसारी हन्फी मस्जिद गोलबाजार के चौथी बार सदर

राजनांदगांव । हन्फी मस्जिद गोलबाजार के सदर पद के लिए हुए चुनाव में जनाब मोहम्मद जावेद अंसारी साहब ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए चौथी बार हन्फी मस्जिद गोलबाजार के सदर का पद हासिल किया। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एडवोकेट मोहम्मद हसन को 323 मतों के बड़े अंतर से पराजित किया। जावेद अंसारी को 484 मत प्राप्त हुए, जबकि एडवोकेट हसन को 161 मत मिले। इस तरह मोहम्मद जावेद अंसारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से तीन गुना मत हासिल कर शानदार जीत दर्ज की। मुस्लिम समाज से शकील रिजवी ने जानकारी देते हुए बताया कि वक्फ बोर्ड के निर्देशानुसार हन्फी मस्जिद गोलबाजार में सदर पद का चुनाव शांतिपूर्ण एवं भाईचारे के माहौल में संपन्न हुआ। कुल 898 मतदाताओं में से 654 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। 14 राउंड में हुई मतगणना में जावेद अंसारी ने सभी 14 के 14 राउंड में भारी बहुमत बनाते हुए अपनी मजबूत बढ़त कायम रखी। लगातार हर राउंड में बढ़त के बाद अंततः उनकी ऐतिहासिक जीत की घोषणा की गई। जीत की घोषणा होते ही समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। जावेद अंसारी की जीत के बाद भव्य विजय जुलूस निकाला गया, जिसमें सैकड़ों समर्थक शामिल हुए। जगह-जगह फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया गया तथा बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। जीत के बाद जावेद अंसारी ने सभी जमातियों और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चुनाव खत्म हो चुका है।

तंबाकू नियंत्रण से मुक्ति तक: हम सबकी साझा जिम्मेदारी

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

तंबाकू का बढ़ता प्रचलन आज हमारे समक्ष न केवल स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से अपितु एक गंभीर सामाजिक और आर्थिक चुनौती के रूप में भी दस्तक दे रहा है। आज के परिदृश्य में तंबाकू उत्पादों जैसे कि बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, खैनी, जर्दा और पान मसाला इत्यादि की पहुंच गांवों से लेकर महानगरों तक है और यह आम जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। यह भी एक चिंता का विषय है कि इनका प्रभाव अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं, बल्कि युवाओं और किशोरों तक में तेजी से फैल रहा है।

ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे (2016-17) के अनुसार भारत में 15 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 26.7 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। यानी देश का लगभग हर तीसरा वयस्क तंबाकू का उपयोग करता है। पुरुषों में तंबाकू सेवन की दर 42.4 प्रतिशत जबकि महिलाओं में 14.2 प्रतिशत है। वहीं एनएफएचएस(2019) के अनुसार पुरुषों में ये 38 से 40 तथा महिलाओं में 4 से 8 प्रतिशत है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तंबाकू उत्पादक देश होने के साथ-साथ सबसे बड़े उपभोक्ता देशों की श्रेणी में भी सम्मिलित है। सोचने का विषय यह भी है कि जहां एक और भारत में धूम्रपान की तुलना में बिना धुएं वाले तंबाकू जैसे खैनी, गुटखा, जर्दा और तंबाकू युक्त पान मसाला का उपयोग अधिक प्रचलित है, वही दूसरी और युवाओं में बढ़ती तंबाकू की लत और भी चिंताजनक तस्वीर प्रस्तुत करती है। भारत में हर वर्ष लगभग 13.5 लाख लोगों की मृत्यु तंबाकू सेवन के कारण होती है। इसके अतिरिक्त लाखों लोग लंबे समय तक बीमारी, विकलांगता और मानसिक-आर्थिक पीड़ा झेलते हैं। अगर हम गहराई से विश्लेषण करें तो पाएंगे कि तंबाकू का प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी भारी बोझ डालता है। इलाज, कार्यक्षमता में कमी और समयपूर्व मृत्यु के कारण होने वाला आर्थिक नुकसान करोड़ों रुपए में आंका जा सकता है।

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए सरकार द्वारा तंबाकू नियंत्रण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2003 में सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम लागू किया गया, जिसके तहत सार्वजनिक स्थानों और कार्यस्थलों पर धूम्रपान प्रतिबंधित किया गया। तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन, प्रचार और प्रायोजन पर रोक लगाई गई तथा पैकेटों पर चित्रात्मक स्वास्थ्य चेतावनी अनिवार्य की गई। भारत विश्व स्वास्थ्य संगठन के 'फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल' को स्वीकार करने वाले शुरुआती देशों में भी शामिल रहा।

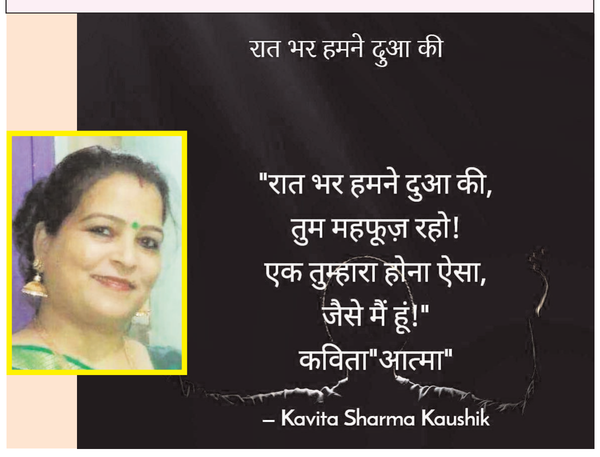

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

जब विभीषणजी भगवान राम की शरण में आए और सुग्रीव ने कहा कि प्रभु ! दसानन का भाई आया हुआ है और मेरी तो स्पष्ट धारणा है कि इसे बंदी बनाकर रख लेना चाहिए। इस प्रसंग में प्रधानमंत्री सुग्रीव, हनुमानजी एवं प्रभु में बड़ा मीठा विनोद हुआ।

हनुमानजी ने कहा, महाराज ! अगर यह कर्म सिद्धांत के अनुकूल आपके न्यायालय में विभीषणजी गए होते हैं तब तो –

करम प्रधान विश्व करि राखा। जो जस करइ सो तस फल चाखा।।

के अनुसार यह विचार किया जा सकता था कि ये राक्षस हैं, रावण के भाई हैं और यह स्वयं कैसे हैं ? लेकिन यह तो आपकी शरण में आए हुए हैं और शरण में आकर ये स्वयं अपना परिचय अच्छे रूप में नहीं दे रहे हैं। ये तो स्वयं कह रहे हैं कि निशाचर जाति में मेरा जन्म हुआ है, मैं रावण का भाई हूं। हनुमानजी ने कहा कि प्रभु ! आपका

विभीषणजी के बारे में मुझसे प्रश्न करने में भूल यही है कि अगर किसी औषधालय में कोई व्यक्ति घुसे और वैद्य जी कहें कि तुम बिल्कुल स्वस्थ हो कि नहीं ? तो रोगी रहेगा कि महाराज ! अगर हम स्वस्थ होते तो आपके औषधालय में आते ही क्यों ? मुझे तो आना ही इसलिए पड़ा कि मैं अस्वस्थ हूं। हनुमानजी ने कहा कि महाराज ! आपकी परंपरा के अनुकूल शरणागति न्यायालय नहीं है, आप न्याय के आसन पर नहीं बैठे हुए हैं, इसलिए मैं यह नहीं कहता कि विभीषण बहुत अच्छे हैं। मैं तो कहता हूं –

खोटो खरो सभीत पालिए सो सनेह सम्मान सों – चाहे वे अच्छे हैं, चाहे वे बुरे हैं, जब अपनी बुराई को उन्होंने समझ लिया और उस बुराई को आपके चरणों में निवेदन कर दिया तो विचार कैसा ?

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

एआई 'बूम' बढ़ते कर्ज के बोझ से 'बबल' साबित न हो जाए

अमेरिका के बढ़ते कर्ज को लेकर 1970 के दशक से ही चेतावनियां दी जा रही हैं, लेकिन कोई भी चेतावनी सच साबित नहीं हुई। अलबत्ता अब बेलगाम बढ़ता कर्ज मायने रखने लगा है। पिछले महीने इसने दुनिया भर में सरकारी बॉन्ड की बिकवाली शुरू करा दी। और इसका पहला ठोस असर यह हो सकता है कि अमेरिकी बॉन्ड पर बढ़ती ब्याज दरें एआई की तेजी पर ब्रेक लगा दें।

इतिहास में झांककर देखें तो पाएंगे कि हर बड़े इकोनॉमिक-बबल का अंत तभी हुआ था, जब उसके केंद्र में मौजूद कंपनियों के लिए कर्ज की लागत काफी बढ़ गई थी। इसमें 1800 के दशक में सामने आए रेलवे-संकट भी शामिल हैं। पिछली सदी में, केंद्रीय बैंकिंग के दौर में सभी बड़े बुलबुले तब फूटे, जब केंद्रीय बैंकों ने अपनी अल्पकालिक उधारी दरों में तेज बढ़ोतरी की।

पर इस बार स्थिति अलग है। आम तौर पर बाजार में उन्माद के दौरान कंपनियां तेजी से लोकप्रिय हो रहे निवेश के क्षेत्र में और पैसा लगाने के लिए भारी कर्ज लेना शुरू कर देती हैं। तेजी के माहौल से महंगाई बढ़ती है, ब्याज दरें ऊपर जाती हैं और बुलबुला फूट जाता है। इसके बाद सरकारें सामने आती हैं और प्रभावित कंपनियों के कर्ज की जिम्मेदारी अपने पर लेते हुए कमजोर पड़ चुकी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए खुद कर्ज लेती हैं।

हाल के दशकों में सरकार की भूमिका बदलकर अच्छे आर्थिक दौर में भी लगातार प्रोत्साहन देने की हो गई है। 2008 के काफी समय बाद तक भी सरकार तेजी से कर्ज बढ़ाती रही। इस दशक में अमेरिका का बजट घाटा जीडीपी के करीब 6 प्रतिशत रहा है- जो इससे पहले के दशकों के औसत से दोगुने से भी अधिक है।

इस अवधि में कंपनियों ने बहुत अधिक नया कर्ज लेने से परहेज किया। केवल पिछले एक साल में टेक्नोलॉजी की बड़ी हाइपरस्केलर कंपनियों ने भारी कर्ज जुटाना शुरू किया है, ताकि बड़े पैमाने पर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार की फाइनेंसिंग की जा सके। अधिक कर्ज लेने का असर सरकारी खातों पर पड़ा है। और समस्याएं वहीं से शुरू होती हैं। एक गंभीर चेतावनी सार्वजनिक कर्ज पर दिए जाने वाले ब्याज से मिलती है, जो पिछले पांच वर्षों में दोगुने से भी अधिक बढ़कर जीडीपी के 3 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गया है। यह अमेरिका के लिए एक नया रिकॉर्ड है और किसी भी बड़ी विकसित अर्थव्यवस्था में ब्याज भुगतान के उच्चतम स्तर तक हुई सबसे तेज वृद्धि है।

सरकारी वित्त को लेकर बढ़ती चिंता- ऊर्जा की तेजी से बढ़ती कीमतों समेत अन्य फैक्टरों के साथ मिलकर- दुनियाभर में सरकारी बॉन्ड की यील्ड को ऊपर ले गई है। ऊंची ब्याज दरों का यह माहौल एआई कंपनियों की उधारी लागत भी बढ़ा रहा है।

एआई बूम में एक बुलबुले के कई लक्षण मौजूद हैं। ब्याज दरें उस स्तर तक पहुंचने तक यह बुलबुला फूलता रहेगा, जहां कर्ज लेना बेहद महंगा हो जाए। मेरी रिसर्च बताती है कि दस-वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड लंबी अवधि की उधारी लागत के लिए वैश्विक बेंचमार्क है और फिलहाल 4.8 प्रतिशत पर है।

जब यह 5 प्रतिशत के स्तर को पार कर जाएगी, तो एआई बुलबुला फूट सकता है। यह सख्त मौद्रिक दौर की शुरुआत का संकेत होगा, जिसमें एआई की बड़ी परियोजनाओं के लिए पैसा जुटाना कठिन हो जाएगा। जब बड़ी टेक कंपनियों को पूंजी के लिए ऐसी सरकार से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ेगी, जो अपने बॉन्ड पर 5 प्रतिशत से अधिक यील्ड दे रही हो, तो कई कंपनियां कर्ज बाजार से बाहर हो सकती हैं।

इस साल एआई के इस्तेमाल से अनुमानित सालाना राजस्व करीब 200 अरब डॉलर है, जबकि कंपनियां डेटा सेंटर और दूसरे इंफ्रास्ट्रक्चर पर 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक खर्च कर रही हैं। इस अंतर को पाटने के लिए कंपनियां नए बॉन्ड और इक्विटी जारी करने पर निर्भर हो रही हैं।

अंदेशा है कि अमेरिका पर बढ़ते कर्ज का बोझ उसकी महाशक्ति की हैसियत को कमजोर कर सकता है और दुनिया की रिजर्व करेंसी के रूप में डॉलर का ताज छीन सकता है। लेकिन अमेरिका के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी भी कर्ज के मोर्चे पर ऐसी ही समस्याओं से जूझ रहे हैं। फिलहाल, जिस बात पर नजर रखने की जरूरत है, वह है दस-वर्षीय ट्रेजरी की यील्ड कितनी तेजी से 5% के पार जाती है और इससे एआई बूम पर कितना खतरा पैदा होता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत की राजनीति में कोई एक समान 'यूथ वोट' नहीं है

देश के अलग-अलग हिस्सों में युवाओं के प्रदर्शनों के बाद उभरते हुए 'युवा वोट बैंक' की संभावनाओं पर चर्चा तेज हो गई है। सवाल उठ रहे हैं कि आगामी चुनावों में युवा क्या भूमिका निभा सकते हैं? क्या वे चुनावी नतीजे तय करने में निर्णायक भूमिका निभाने जा रहे हैं? यह चर्चा इसलिए भी अहम है, क्योंकि अगले वर्ष महत्वपूर्ण राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इनमें से भाजपा यूपी में बीते दस वर्षों से और गुजरात में तो तीन दशकों से सत्ता में है।

यह तो निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि भाजपा ने युवा वोटरों का कितना समर्थन खोया है, लेकिन इस वक्त देश के युवाओं में एक बेचैनी जरूर दिखाई दे रही है। युवा वोटरों के मन को पढ़ना मुश्किल हो सकता है, लेकिन लोकनीति-सीएसडीएस के सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बड़ी संख्या में युवाओं ने भागीदारी नहीं निभाई थी।

राज्यों के हिसाब से स्थिति अलग-अलग भी हो सकती है। इस चुनाव में सबसे कम उम्र वाले 18-21 वर्ष के वोटरों का मतदान प्रतिशत औसत मतदान से 6% कम रहा। 22-25 आयु वर्ग के 68% वोटरों ने वोट दिया, जो औसत वोटिंग से अधिक था। बिहार में 18-21 वर्ष वाले केवल 41% युवाओं ने मतदान किया, जबकि राज्य में कुल 67.3% वोटिंग रही थी। यूपी में सबसे कम उम्र के वोटरों का मतदान प्रतिशत 51% था, जबकि राज्य का औसत मतदान 61.1% रहा।

कई अन्य राज्यों में तस्वीर उलट भी रही। मध्य प्रदेश में 18-21 वर्ष के वोटरों का मतदान 89% रहा, जो कुल 75.6% मतदान से काफी ज्यादा था। पंजाब में यह 77% और गुजरात में 78% रहा, जो सबसे कम उम्र के वोटरों की बड़ी भागीदारी को दर्शाता है।

बंगाल और तमिलनाडु में तो युवा वोटरों की भागीदारी विशेष रूप से बहुत ज्यादा रही। 18-21 वर्ष के मतदाताओं ने बंगाल में 93% और तमिलनाडु में 90% मतदान किया। बंगाल और असम में 22-25 वर्ष आयु वर्ग के वोटरों का मतदान 95% तक पहुंच गया।

ये आंकड़े बताते हैं कि भारतीय राजनीति में कोई एक समान 'यूथ वोट' नहीं है। बंगाल एक अहम उदाहरण पेश करता है कि चुनाव-दर-चुनाव युवाओं की पसंद कितनी तेजी से बदल सकती है। 2021 से 2026 के बीच युवा वोटर उल्लेखनीय रूप से तृणमूल से भाजपा की ओर खिसकते दिखाई दिए।

यूपी एक अलग तस्वीर दिखाता है। 2022 में भाजपा ने सपा को हराकर स्पष्ट जीत दर्ज की थी, लेकिन युवा वोटरों के बीच सपा भाजपा से बहुत पीछे नहीं थी। 18-21 वर्ष और 22-25 वर्ष, दोनों आयु-वर्गों में भाजपा गठबंधन ने 44% और सपा गठबंधन ने 38% और 39% वोट बटोरे थे। ये उदाहरण दिखाते हैं कि युवा वोटरों की पसंद अलग-अलग चुनावों में काफी बदल सकती है। यह भी जरूरी नहीं कि युवा वोटर हमेशा जीतने वाली पार्टी या गठबंधन को ही वोट दें। वे हारने वाले दल का समर्थन भी कर सकते हैं, जैसा हमने उत्तराखंड और बिहार में देखा। उत्तराखंड में 2022 के विधानसभा चुनाव में 18-21 वर्ष के 48% वोटरों ने कांग्रेस को वोट दिया, जबकि भाजपा को महज 33% युवाओं के वोट मिले। लेकिन चुनाव भाजपा ने जीता।

बिहार में 2020 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन चुनाव हार गया, लेकिन एनडीए की तुलना में उसे युवा वोटरों का अधिक समर्थन मिला। 18-21 वर्ष के वोटरों ने महागठबंधन को 39% और एनडीए को 24% वोट दिए थे। हालांकि 2025 में युवाओं की पसंद बदल गई और 18-21 वर्ष के वोटरों के 50% वोट एनडीए को मिले, जबकि महागठबंधन को 40% ने वोट दिया।

लेकिन कुछ मौकों पर युवा वोटरों ने राजनीतिक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई है। 2026 में तमिलनाडु, 2015 व 2020 में दिल्ली और 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में यह नजर भी आया है। पंजाब में आम आदमी पार्टी युवा वोटरों की सबसे पसंदीदा पार्टी बनकर उभरी थी और उसे खासकर सबसे कम उम्र वाले वोटरों का मजबूत समर्थन मिला था।

दिल्ली में 2015 और 2020 के चुनावों में आम आदमी पार्टी के समर्थन में पड़ा युवाओं का वोट उसके औसत वोट शेयर से भी करीब 10% अधिक रहा। पंजाब में 2022 में 18-21 वर्ष के 47% मतदाताओं ने आम आदमी पार्टी को वोट दिया, जबकि कांग्रेस को 24% और भाजपा को केवल 6% वोट मिले।

कुल मिलाकर युवा वोटर भारतीय चुनावी परिदृश्य का एक ऐसा हिस्सा हैं, जो लगातार बदलते रहते हैं। इसलिए आने वाले विधानसभा चुनावों में युवा वोटर राजनीतिक तौर पर कैसा व्यवहार करते हैं, इसको लेकर कोई पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता।

युवा वोटर भारतीय चुनावी परिदृश्य का ऐसा हिस्सा हैं, जो लगातार बदलते रहते हैं। इसलिए आने वाले विधानसभा चुनावों में युवा वोटर राजनीतिक तौर पर कैसा व्यवहार करते हैं, इसको लेकर कोई पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

'बेस्ट' बनने के साथ ही 'बेस्ट लोगों' के साथ रहना भी जरूरी है

अगर आप ऐसे व्यक्ति हैं, जिसने 17 साल की उम्र में कोई नेशनल या इंटरनेशनल प्रतियोगिता जीती है तो आप अपने कॅरिअर-पाथ और उस यूनिवर्सिटी को चुनने में काफी सावधानी बरतेंगे, जिसमें पढ़कर आप उस डोमेन एरिया के एक्सपर्ट बनना चाहते हैं, जिसमें आपने प्राइज जीता है। 17 साल की उम्र में उन्होंने चीन के नेशनल एंड ओलंपियाड इन इंफॉर्मेटिक्स में हिस्सा लिया।

उनका दाखिला शिंगहुआ यूनिवर्सिटी में हुआ, जो चीन के कई शीर्ष एआई रिसर्चर्स के लिए अमेरिका की विभिन्न यूनिवर्सिटीज तक पहुंचने का अहम लॉन्चपैड रहा है। एक अंडरग्रेजुएट के तौर पर उन्होंने ड्रम बजाए, रॉक बैंड बनाया और गाने लिखे। उन्हें कंप्यूटर और एआई का इतना जुनून था कि उन्होंने अपने बैंड का नाम 'स्प्ले ट्री' रखा, जो कंप्यूटर साइंस में डेटा स्ट्रक्चर के लिए इस्तेमाल होने वाली टर्म है।

उन्होंने अपने मेंटर के तौर पर प्रोफेसर टैंग जी को चुना और उनके अधीन अपनी पढ़ाई की। टैंग जी के साथ उन्होंने मशीन लर्निंग पर रिसर्च पेपर लिखे, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत किया गया। किसी अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट के लिए यह असामान्य है। वे अकसर अपनी बुद्धिमत्ता से साथियों को प्रभावित करते और कॉलेज में काफी चर्चित हो गए थे।

उन्होंने 2015 में पीएचडी के लिए अमेरिका की कार्नेगी मेलॉन यूनिवर्सिटी को चुना। वहां ऐसी समस्याएं होती थीं, जिन्हें सुलझाने में लोग कई हफ्ते लगा देते थे और अकसर समाधान तक नहीं पहुंच पाते थे। लेकिन वे समस्या के बारे में कुछ भी सोचे बिना सीधे ब्लैकबोर्ड पर समाधान लिख देते थे। कार्नेगी मेलॉन में अपने कार्यकाल के आखिरी दौर में उन्होंने गूगल ब्रेन में इंटर्नशिप करने का फैसला किया। वहां उन्होंने गूगल ब्रेन के संस्थापक सदस्य क्वोक-वी-ले के साथ मशीन लर्निंग पर दो रिसर्च पेपर लिखे, जिनके आज 20 हजार से ज्यादा साइटेशन दिए जा चुके हैं।

किसी पीएचडी छात्र के लिए ऐसे पेपर पब्लिश करना बेहद असामान्य है। इलॉन मस्क के एआई वेंचर 'एक्स-एआई' के को-फाउंडर और बहुत-से स्टूडेंट्स को मेंटर कर चुके जिमी बा जैसे प्रोफेसर भी कहते हैं कि यह लड़का उन सभी में बेहद प्रतिभाशाली था।

लेकिन वह लगातार अपने सभी प्रोफेसरों से कहते रहते थे कि अगर कोई उन्हें पैसे दे दे तो वे चीन वापस जाकर अपनी कंपनी शुरू करेंगे। क्योंकि उन्हें भरोसा था कि उनका प्रोडक्ट ओपनएआई से लेकर गूगल तक के सभी एआई मॉडल्स को पीछे छोड़ सकता है। इसीलिए उन्होंने कभी भी अमेरिका में ठीक से जॉब नहीं ढूंढी।

तो मिलिए 33 साल के यांग झिलिन से, जिनकी कंपनी ने हाल ही में एक पॉवर एआई मॉडल जारी करके दुनियाभर के बाजारों में हलचल मचा दी। वे मूनशॉट एआई के को-फाउंडर हैं, जिसे चीन की शीर्ष एआई लैब्स में से एक माना जाता है। उनके स्टार्टअप के ताजा प्राइवेट फंडिंग राउंड में इसकी वैल्यूएशन 50 अरब डॉलर आंकी गई है। हाल ही में उन्होंने हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज में आईपीओ के लिए आवेदन किया है।

इसमें बड़ी सीख यह है कि कॉलेज महज वो जगह नहीं, जहां स्टूडेंट डिग्री हासिल करें। यहां वे अपना इंटेलेक्चुअल इकोसिस्टम तैयार करते हैं। एक बार स्टूडेंट को अपनी मंजिल पता चल जाए तो उसकी हर चॉइस उसे मंजिल के करीब ले जाने वाली होनी चाहिए। मसलन, मुझे किसके साथ बैठना चाहिए? किसके साथ आइडिया डिस्कस करने चाहिए? किसके साथ कॉलेबरेट करना चाहिए?

सिर्फ मजे करने और मूवी देखने के लिए दोस्त चुनने के बजाय ऐसे लोगों को चुनें, जिनके साथ आप कुछ बना सकें, कोई पेपर लिख सकें, किसी प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकें या कोई मुश्किल समस्या हल कर सकें। साथियों का सही ग्रुप किसी स्टूडेंट को नए आइडिया, मेंटर्स, अपॉर्च्युनिटी और यहां तक कि वैश्विक पहचान तक भी पहुंचा सकता है।

हो सकता है कि आप तत्काल बेस्ट न बन पाएं, लेकिन सबसे बेहतरीन दिमागों से घिरे रहना आपके जीवन की दिशा बदल सकता है। सफलता के लिए गोल शीट तय करना और मंजिल को लेकर मेनिफेस्ट करना जरूरी है, जैसे यांग चाहते थे कि वे ओपनएआई और गूगल को पीछे छोड़ें।

फंडा यह है कि यूनिवर्सिटी में सबसे बेहतर बनने की कोशिश करने में कुछ गलत नहीं है, लेकिन आपको सोच-समझकर सबसे बेहतर लोगों के साथ रहना भी चुनना चाहिए। क्योंकि कई बार आप जिन लोगों की कंपनी में रहते हैं, वही तय करते हैं कि आपकी महत्वाकांक्षा कितनी दूर तक जा सकती है।

खेती में कीटनाशक नीति पर पुनर्विचार का समय

भारत को अन्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने वाले किसान की सुरक्षा को लेकर सामने आए आंकड़े किसी भी संवेदनशील समाज को झकझोरने के लिए काफी हैं। पेस्टिसाइड एक्शन नेटवर्क के हालिया अध्ययन के अनुसार दुनिया भर में कीटनाशक विषाक्तता से होने वाली करीब 11 हजार मौतों में से 60 प्रतिशत भारत में होती हैं। अध्ययन बताता है कि दुनिया के करीब 93.4 करोड़ किसानों और कृषि श्रमिकों में से 43.3 करोड़ यानी लगभग 46 प्रतिशत हर साल किसी न किसी रूप में कीटनाशक के जहर का शिकार होते हैं। चिंता की बात यह भी है कि 2023 में विश्व भर में करीब 38 लाख टन कीटनाशकों का इस्तेमाल हुआ, जो 1990 की तुलना में लगभग दोगुना है। हरित क्रांति के बाद से उत्पादकता बढ़ाने की होड़ में हमने रासायनिक निर्भरता को लगातार बढ़ाया लेकिन इस्तेमाल करने वालों की सुरक्षा की उतनी ही अनदेखी की जाती रही।

भारत में यह संकट इसलिए और गंभीर हो जाता है क्योंकि यहां छोटे और सीमांत किसान, जिनकी संख्या देश में सबसे अधिक है, अक्सर बिना उचित प्रशिक्षण, बिना सुरक्षा उपकरणों और बिना किसी निगरानी के कीटनाशकों का छिड़काव करते हैं। दस्ताने, मास्क या सुरक्षा चश्मे जैसी बुनियादी सावधानियां तो दूर, कई बार किसानों को यह भी नहीं पता होता कि किस रसायन की कितनी मात्रा सुरक्षित है। खेतों में नंगे हाथों से कीटनाशक घोलना, हवा की दिशा का ध्यान न रखते हुए छिड़काव करना और छिड़काव के तुरंत बाद उन्हीं कपड़ों में परिवार के बीच लौट आना- ये दृश्य हमारे ग्रामीण

इलाकों में आम हैं। लंबे समय तक कीटनाशकों के संपर्क से पार्किंसन जैसी गंभीर बीमारियां भी जन्म ले रही हैं। यह आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य से जुड़ा दीर्घकालिक संकट है। आखिर जिम्मेदारी किसकी है? यह ठीक है कि किसान संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं ने समय-समय पर सुरक्षित कीटनाशक इस्तेमाल को लेकर जागरूकता अभियान चलाए हैं, लेकिन यह प्रयास तब तक अधूरा रहेगा जब तक सरकार इसे सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं बनाती। पहली आवश्यकता इस बात की है कि सभी किसानों को कीटनाशक के सुरक्षित इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जाए। दूसरा, सुरक्षा उपकरण जैसे दस्ताने, मास्क और चश्मे सब्सिडी दरों पर या मुफ्त उपलब्ध कराए जाएं, जैसे बीज और उर्वरक पर सब्सिडी दी जाती है। तीसरा, अत्यधिक विषैले व प्रतिबंधित श्रेणी के कीटनाशकों की बिक्री पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जाए, क्योंकि भारत में आज भी कई ऐसे रसायन खुलेआम बिकते हैं जिन पर विकसित देशों में पहले ही प्रतिबंध लग चुका है।सबसे अहम बात तो यह है कि कीट प्रंबधन के लिए जैविक तरीकों पर निर्भरता बढ़ाने के उपाय कारगर हों। सिक्किम जैसे राज्यों ने पूर्ण जैविक खेती की दिशा में जो कदम उठाए हैं, वे बताते हैं कि रासायनिक निर्भरता से मुक्ति असंभव नहीं है, बशर्ते राजनीतिक इच्छाशक्ति और निवेश हो।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

बार-बार इस्तेमाल पर होगी कार्रवाईः होटल-रेस्टोरेंट में अब किचन से प्लेट तक जांच, तेल पर खास नजर

रायपुर। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, कैटरिंग, बैंक्वेट हॉल, स्ट्रीट फूड और स्कूल कैंटीन समेत सभी खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच के नए निर्देश जारी किए हैं। अब लाइसेंस-पंजीयन के साथ सामान खरीदने से लेकर पकाने, स्टोर, पैक और परोसने तक जांच होगी। खाद्य तेल में टोटल पोलर कंपाउंड की सीमा 25% होगी।

रोज 50 लीटर से ज्यादा तेल इस्तेमाल करने वालों को उपयोग और निस्तारण का रिकॉर्ड रखना होगा तथा इस्तेमाल तेल अधिकृत एजेंसी को देना होगा। फ्रीजर के सेमी-कुक्ड व सेमी-प्रोसेस्ड भोजन पर तारीख-समय दर्ज करना होगा। कच्चा-पका भोजन अलग और ढका रखना होगा। कर्मचारियों की स्वच्छता-स्वास्थ्य जांच होगी। खुले घाव-संक्रमण वाले कर्मचारी फूड हैंडलिंग नहीं करेंगे। डिलीवरी में फूड-ग्रेड पैकेजिंग जरूरी होगी, अखबार में खाना नहीं लपेट सकेंगे।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग समय-समय पर जांच के निर्देश तो जारी करता है, लेकिन ये जांच सभी प्रतिष्ठानों तक न होकर सीमित रह जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि संस्थानों में जाकर जांच करने के लिए अधिकारी ही नहीं है। रायपुर जिले में ही फूड एंड सेफ्टी विभाग में अधिकारी के 8 पद स्वीकृत हैं, जबकि 4 अधिकारी ही पदस्थ हैं। इनमें 3 फूड सेफ्टी ऑफिसर और एक सीनियर फूड सेफ्टी ऑफिसर शामिल हैं। इन चार अधिकारियों के जिम्मे पूरे जिले के 2,542 खाद्य प्रतिष्ठानों की निगरानी है।

आंकड़ों में स्थिति

8 फूड सेफ्टी ऑफिसर के स्वीकृत पद

4 वर्तमान में पदस्थ अधिकारी

687 लाइसेंसी होटल और ढाबे

1,855 रजिस्टर्ड चाय-नाश्ते की दुकानें

2,542 कुल खाद्य प्रतिष्ठान

635 प्रतिष्ठानों का दबाव एक अफसर पर

मेन्यू के दावों की भी जांचः 'प्योर', 'नेचुरल', 'ऑर्गेनिक', 'शुगर फ्री', 'लो फैट' जैसे दावे जांचे जाएंगे। उल्लंघन पर जब्ती, बिक्री रोकने, लाइसेंस निलंबन-निरस्तीकरण और अभियोजन होगा।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

देवगढ़ की रुकमणी ने हुनर को बनाया रोजगार

रायगढ़। देवगढ़ की रुकमणी ने हुनर को बनाया रोजगारकभी गृहिणी के रूप में परिवार संभालने वाली रुकमणी आज सीमेंट से मंदिर और सजावटी सामग्री तैयार कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने मेहनत और हुनर के दम पर अपनी जिंदगी को नई दिशा दी है। बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्होंने समूह के माध्यम से बचत की और ऋण लेकर अपने हुनर को रोजगार का रूप दिया। आज इस काम से उन्हें हर महीने करीब 45 हजार रुपये तक की आमदनी हो रही है।

रायगढ़ जिले के तमनार विकासखंड के ग्राम देवगढ़ की रुकमणी कुंवर ने बिहान योजना के तहत गठित समूह से जुड़ीं। समूह में शामिल होने के बाद उन्होंने नियमित बचत शुरू की। इसके बाद आरएफ, सीआईएफ और बैंक लोन के माध्यम से ऋण प्राप्त कर सीमेंट से मंदिर एवं विभिन्न सजावटी वस्तुएं बनाने का काम शुरू किया। शुरुआत में सीमित संसाधनों के साथ काम करने वाली रुक्मणी ने धीरे-धीरे अपने काम का विस्तार किया। वर्तमान में उन्होंने बैंक से करीब 50 हजार रुपये का ऋण लिया है, वहीं समूह से भी 20 हजार रुपये का ऋण लेकर अपनी गतिविधियों को आगे बढ़ाया।

शरिया-कोर्ट पत्नी को तलाक देने का फैसला नहीं सुना सकता

हाईकोर्ट बोला-धार्मिक संस्था को अदालत का दर्जा नहीं, धार्मिक राय दे सकते हैं, कानूनी फैसला नहीं

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने मुस्लिम महिला के वैवाहिक अधिकारों से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि कोई निजी धार्मिक संस्था या स्वयं को शरिया कोर्ट बताने वाला संगठन कानून से स्थापित अदालत का दर्जा नहीं रखता। ऐसी संस्थाएं किसी महिला के वैवाहिक दर्जे का न्यायिक निर्धारण नहीं कर सकतीं और न ही विवाह विच्छेद की कानूनी घोषणा कर सकती हैं।

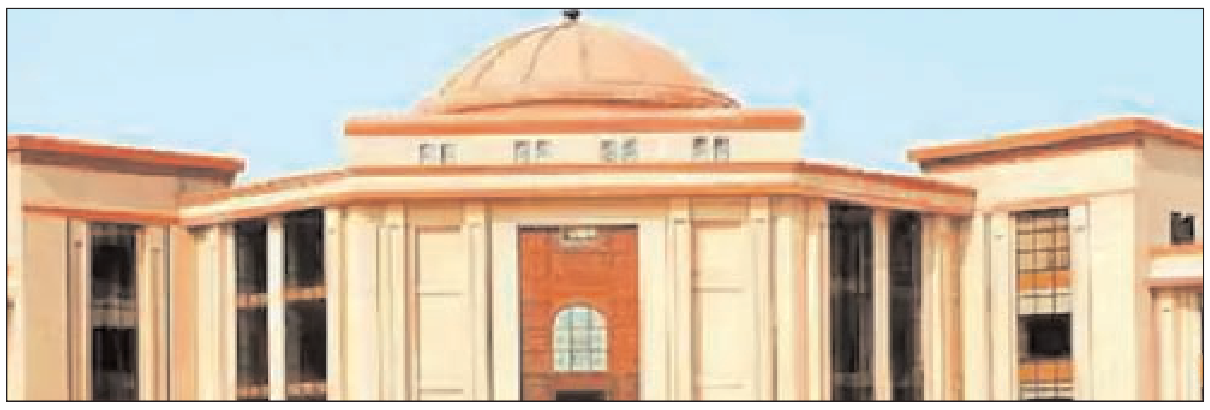

जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद ने रायपुर के इदारा-ए-शरिया इस्लामी कोर्ट द्वारा 18 जनवरी 2022 को जारी आदेश को कानूनी अधिकार से रहित घोषित कर दिया। इस आदेश में याचिकाकर्ता महिला को उसके पति से तलाकशुदा बताया गया था। हाईकोर्ट ने कहा कि इदारा-ए-शरिया का आदेश किसी वैधानिक न्यायिक व्यवस्था के तहत जारी नहीं हुआ है। इसलिए इससे न विवाह समाप्त हो सकता है और न ही किसी पक्ष के कानूनी अधिकार, स्थिति या दायित्व में बदलाव किया जा सकता है।

पति ने तीन चरणों में तलाक देने का दावा किया टिकरापारा, रायपुर निवासी 38 वर्षीय निरोश अब्बासी की पहली शादी के पति की वर्ष 2015 में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद 18 जुलाई 2020 को उन्होंने मोहम्मद आबिद खान से विवाह किया। शादी के बाद बच्चों के नए परिवार में समायोजन को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हुआ।

याचिकाकर्ता के अनुसार इसी विवाद के बाद उन्हें तलाक देने की प्रक्रिया शुरू की गई। पति का दावा था कि उन्होंने तलाक-ए-हसन तीन चरणों में 31 अगस्त, 30 सितंबर और 30 अक्टूबर 2021 को संचार के माध्यम से घोषित किया था।

उत्पीड़न की शिकायत के बाद दर्ज हुई स्नढ्ढक्र महिला ने पति और ससुराल वालों के खिलाफ उत्पीड़न, क्रूरता और दुर्व्यवहार की शिकायत की थी। मामले में वन स्टॉप सखी सेंटर में काउंसिलिंग भी हुई, लेकिन विवाद का समाधान नहीं हो सका। इसके बाद 7 अक्टूबर 2021 को महिला ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष शिकायत की। महिला थाना रायपुर में 1 नवंबर 2021 को पति और अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए और 34 के तहत **FIR** दर्ज की गई।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बनाया आधार हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के विश्व लोचन मदन बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले में दिए फैसले का हवाला दिया। कोर्ट ने कहा कि दारुल कजा या फतवा जारी करने वाली निजी संस्थाओं को कानून से स्थापित न्यायालय का दर्जा हासिल नहीं है।

ऐसी संस्थाओं के निर्णय बाध्यकारी नहीं होते और उन्हें कानूनी प्रक्रिया के जरिए लागू नहीं कराया जा सकता। इसी सिद्धांत के आधार पर हाईकोर्ट ने कहा कि इदारा-ए-शरिया किसी व्यक्ति के वैवाहिक दर्जे का न्यायिक निर्धारण नहीं कर सकता।

धार्मिक राय दे सकते हैं, कानूनी फैसला नहीं हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि धार्मिक संस्था अपनी धार्मिक राय दे सकती है, लेकिन ऐसी राय किसी व्यक्ति के कानूनी अधिकारों या वैवाहिक स्थिति पर बाध्यकारी नहीं हो सकती। कानून के तहत विवाह समाप्त होने या वैवाहिक अधिकारों में बदलाव का निर्धारण सक्षम न्यायिक या वैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से ही होगा।

तलाक-ए-हसन की संवैधानिक वैधता पर फैसला नहीं हाईकोर्ट ने इस मामले में तलाक-ए-हसन की संवैधानिक वैधता के सवाल पर कोई फैसला देने से परहेज किया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसके आदेश का स्नढ्ढक्र या पक्षकारों के अन्य वैधानिक उपायों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

याचिका आंशिक रूप से स्वीकार हाईकोर्ट ने याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए इदारा-ए-शरिया इस्लामी कोर्ट के 18 जनवरी 2022 के आदेश को कानूनी अधिकार से रहित घोषित कर दिया। कोर्ट के इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया कि निजी धार्मिक संस्था का आदेश अपने आप किसी व्यक्ति की वैवाहिक स्थिति या कानूनी अधिकारों को बदल नहीं सकता।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से सरगुजा में बढ़ रही ऊर्जा आत्मनिर्भरता

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना सरगुजा जिले में परिवारों को बिजली खर्च से राहत देने के साथ उन्हें ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। घरों की छतों पर स्थापित रूफटॉप सोलर संयंत्र अब केवल घरेलू बिजली की जरूरत पूरी करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हितग्राही अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर विद्युत ग्रिड में भी योगदान दे रहे हैं। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत आमदरहा निवासी श्री आलम साय रजवाड़े इसकी प्रेरणादायी मिसाल हैं।

आलम साय ने अपने घर की छत पर प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर संयंत्र स्थापित कराया। उन्होंने बताया कि संयंत्र लगने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 1,500 से 2,000 रुपये तक आता था। सौर ऊर्जा का उपयोग शुरू होने के बाद पिछले लगभग साढ़े तीन महीने से उनका बिजली बिल शून्य है। इससे परिवार के मासिक खर्च में उल्लेखनीय राहत मिली है।

आलम साय कहते हैं, 'पहले मैं बिजली उपभोक्ता था, लेकिन अब बिजली दाता बन गया हूं।' उन्होंने बताया कि सोलर संयंत्र से उत्पादित बिजली से पहले घर की जरूरत पूरी होती है और इसके बाद बचने वाली अतिरिक्त बिजली ग्रिड में चली जाती है।

पोला पर्व को लेकर सजने लगा बाजार

रायपुर। प्रदेश सहित ग्रामीण अंचलों में कृषि संस्कृति और परंपरा से जुड़ा पोला पर्व गुरुवार, 10 सितंबर को भाद्रपद अमावस्या के अवसर पर मनाया जाएगा। पर्व को लेकर बाजारों में मिट्टी के बैल और चूकी-पोरा की बिक्री शुरू हो गई है। पोला किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है। खेती-किसानी में बैल उनके सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी माने जाते हैं। उनके श्रम और समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए इस दिन किसान बैलों को स्नान कराकर सजाते हैं, सींगों पर तेल लगाते हैं और रंग-बिरंगे कपड़ों व फूलों की मालाओं से श्रृंगार कर पूजा करते हैं। भागवताचार्य पंडित

राकेश शर्मा के अनुसार पौराणिक मान्यता में भगवान कृष्ण का वध करने आए पोलासुर नामक राक्षस का इसी दिन वध हुआ था। इसी खुशी में भी पोला पर्व मनाने की परंपरा बताई जाती है। पर्व पर बच्चों के लिए नंदी बैल से खेलने की परंपरा है

मीटर बंद होने पर भी यूनिट बढ़ रहीः स्मार्ट मीटर को लेकर नेता प्रतिपक्ष महंत की सीएम को चिट्ठी बोले- जांच कराई जाए

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर स्मार्ट मीटर से बढ़े बिजली बिल और मीटर की रीडिंग को लेकर मिल रही शिकायतों की जांच कराने की मांग की है। महंत ने पत्र में लिखा है कि प्रदेश के अलग-अलग जिलों और नगरीय निकायों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। इनके लगने के बाद से कई उपभोक्ताओं ने बिजली की खपत और बिल में असामान्य बढ़ोतरी की शिकायत की है। उन्होंने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए स्मार्ट मीटरों की जांच व जरूरत पड़ने पर उन्हें बदलने के लिए निर्देश जारी करने की मांग की है।

मेन स्विच बंद करने के बाद भी यूनिट बढ़े तो ये करें?

स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल और खपत बढ़ने की शिकायतों ने एक नया सवाल खड़ा किया है। अगर घर के सभी बिजली उपकरण बंद हैं, तो क्या मीटर की यूनिट फिर भी बढ़ सकती है? यहां एक फर्क समझना जरूरी है। मीटर का डिस्प्ले चालू रहना या कम्युनिकेशन सिस्टम सक्रिय रहना और मीटर का लगातार बिजली की यूनिट जोड़ना एक ही बात नहीं है। स्मार्ट मीटर में रियल-टाइम और आधे घंटे के अंतराल की खपत देखने की सुविधा उपलब्ध है।

4800 से ज्यादा चेक मीटरों से मिलान, मीटर सही : कंपनी

स्मार्ट मीटर को लेकर उठ रहे सवालों के बीच छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी ने अपना पक्ष जारी किया है। कंपनी का दावा है कि प्रदेश में 4800 से अधिक परिसरों में स्मार्ट मीटर की रीडिंग का चेक मीटर से मिलान किया गया और सभी मामलों में खपत सही मिली। भिलाई की **NABL** टेस्टिंग लैब में उपभोक्ताओं की मौजूदगी में 74 स्मार्ट मीटरों की जांच भी की गई, जिनमें कोई तकनीकी त्रुटि नहीं मिली।

प्राइवेट स्कूलों के लिए नए मान्यता नियम तयःअब बिना एनओसी खुल सकेंगे प्राइवेट स्कूल, झूठ बोला तो मान्यता रद्द कर तालाबंदी; 'इंटरनेशनल' नहीं लिखेंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब प्राइवेट स्कूल खोलने और मान्यता लेने के लिए एनओसी (अनापत्ति प्रमाणपत्र) की जरूरत नहीं होगी। स्कूलों को सुरक्षा, अधोसंरचना और कानूनी मापदंड पूरे करने का स्वप्रमाणन और शपथ-पत्र देना होगा। इसी आधार पर उन्हें मान्यता दी जाएगी।

हालांकि, जांच में कोई जानकारी झूठी या भ्रामक मिली अथवा तथ्य छिपाना पाया गया तो स्कूल की मान्यता तत्काल निलंबित या रद्द कर दी जाएगी। जुर्माने के साथ स्कूल प्रबंधन के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई भी होगी। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्राइवेट स्कूलों की नवीन मान्यता के निर्देश जारी किए हैं। आवेदन के दौरान स्कूल भवन की वीडियोग्राफी कराना अनिवार्य होगा। निरीक्षण के समय यह वीडियो अधिकारियों को दिखाना पड़ेगा। मंडल का दावा है कि नए नियमों से मान्यता प्रक्रिया में लालफीताशाही कम होगी, लेकिन गलत जानकारी देकर मान्यता लेने वालों पर सख्ती की जा सकेगी।

नाम में 'इंटरनेशनल' या 'आत्मानंद' नहीं लिख सकेंगेः प्राइवेट स्कूल अब अपने नाम में

नेशनल, इंटरनेशनल, नवोदय, पीएम श्री, स्वामी आत्मानंद एकलव्य, प्रयास, केंद्रीय, राष्ट्रीय, उत्कृष्ट विद्यालय और स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट विद्यालय जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे।

मंडल के अनुसार, ऐसे नामों से छात्रों और अभिभावकों के भ्रमित होने की आशंका रहती है। इनमें से किसी शब्द का इस्तेमाल करने वाले स्कूल को मान्यता नहीं दी जाएगी।

बीच सत्र में बंद नहीं हो सकेगा स्कूल

मान्यता मिलने के बाद कोई भी स्कूल बोर्ड परीक्षाएं समाप्त होने से पहले बीच शैक्षणिक सत्र में बंद नहीं किया जा सकेगा। मापदंड पूरे नहीं करने के कारण किसी स्कू कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए नजदीकी स्कूल से जोड़ा जाएगा।

काउंसलर और लीगल लिटरेसी क्लब जरूरी

सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार विद्यार्थियों और अभिभावकों के तनाव प्रबंधन के लिए स्कूलों में काउंसलर की सेवाएं लेना अनिवार्य होगा। हाईकोर्ट के निर्देश पर प्रत्येक स्कूल में लीगल लिटरेसी क्लब भी स्थापित करना होगा।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन कार्यक्षेत्र में मेहनत और धैर्य की परीक्षा लेने वाला हो सकता है। आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए सामान्य से अधिक प्रयास करने पड़ सकते हैं, लेकिन निरंतर मेहनत का परिणाम सकारात्मक रहेगा। किसी भी चुनौती से घबराने के बजाय शांत मन से समाधान खोजें। जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें और महत्वपूर्ण कार्यों की प्राथमिकता तय करें।

वृषभ। आज आर्थिक मामलों में स्थिति आपके पक्ष में रह सकती है। धन से जुड़े कार्यों में सोच-समझकर कदम उठाने से लाभ मिलने की संभावना है। मित्रों और करीबी लोगों का सहयोग आपके आत्मविश्वास को मजबूत करेगा। कार्यक्षेत्र में नई योजनाओं पर चर्चा हो सकती है और आपकी मेहनत को सराहना मिल सकती है। पुराने संपर्क भविष्य में लाभदायक साबित हो सकते हैं।

मिथुन। आज कामकाज के सिलसिले में यात्रा के योग बन सकते हैं। यात्रा से नए संपर्क स्थापित होंगे और भविष्य के लिए उपयोगी अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी, इसलिए समय का सही प्रबंधन करना आवश्यक होगा। बातचीत करते समय वाणी पर संयम रखें, क्योंकि किसी छोटी बात पर गलतफहमी पैदा हो सकती है।

कर्क। आज का दिन आत्मविश्वास और व्यक्तिगत विकास के लिए अनुकूल माना जा सकता है। आप अपने भीतर नई ऊर्जा और उत्साह महसूस करेंगे, जिससे महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी क्षमता और प्रयासों की सराहना हो सकती है। नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए स्वयं पर विश्वास बनाए रखें। परिवार के साथ संबंध मधुर रहेंगे और किसी करीबी व्यक्ति से उपयोगी सलाह मिल सकती है।

सिंह। आज खर्चों में बढ़ोतरी होने की संभावना है, इसलिए आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतें। अनावश्यक खरीदारी से बचें और बजट बनाकर चलें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, जिससे थोड़ी थकान महसूस होगी। अपने काम को व्यवस्थित ढंग से पूरा करें और किसी भी निर्णय में जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना आवश्यक है, विशेषकर खान-पान और आराम का ध्यान रखें। परिवार का सहयोग मिलेगा,

कन्या। आज बुध के प्रभाव से आपके रोजमर्रा के कार्यों में व्यवस्था और स्पष्टता देखने को मिल सकती है। लंबे समय से बिखरे हुए कामों को व्यवस्थित करने का अच्छा अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी बौद्धिक क्षमता और योजनाबद्ध कार्यशैली लाभ पहुंचा सकती है। आर्थिक मामलों में भी सुधार के संकेत मिल सकते हैं। किसी नए कार्य या योजना की शुरुआत के लिए दिन अनुकूल रहेगा। परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा और घरेलू वातावरण सुखद बना रहेगा।

तुला। आज शुक्र के प्रभाव से आपके रिश्तों में मधुरता और आपसी समझ बढ़ सकती है। परिवार, मित्रों और जीवनसाथी के साथ समय अच्छा बीतेगा। रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से लाभकारी साबित हो सकता है। कला, संगीत, लेखन और डिजाइन जैसे क्षेत्रों में नई प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी संवाद शैली लोगों को प्रभावित करेगी।

वृश्चिक। आज करियर के क्षेत्र में नए अवसर मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी, पदोन्नति या महत्वपूर्ण कार्य मिल सकता है। व्यापार से जुड़े जातकों के लिए भी नए संपर्क लाभदायक साबित हो सकते हैं। सफलता के लिए आपको अपनी योजनाओं को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाना होगा। सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद बेहतर रखें।

धनु। आज भाग्य का साथ मिलने से कई रुके हुए कार्य आगे बढ़ सकते हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और आपके प्रयासों की सराहना होने की संभावना है। यात्रा के योग भी बन सकते हैं, जो भविष्य में लाभदायक सिद्ध हो सकती है। आर्थिक मामलों में स्थिति संतुलित रहेगी और नए अवसरों पर विचार किया जा सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से प्रसन्नता मिलेगी।

मकर। आज कामकाज की अधिकता के कारण व्यस्तता बनी रह सकती है। आपको कई जिम्मेदारियों को एक साथ संभालना पड़ सकता है, इसलिए समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। सहकर्मियों का सहयोग मिलने से कठिन कार्य भी आसानी से पूरे हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में धैर्य और अनुशासन बनाए रखना आपके लिए लाभकारी रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च से बचें। परिवार के किसी सदस्य के साथ महत्वपूर्ण चर्चा हो सकती है। स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद और आराम जरूरी है।

कुंभ। आज धन लाभ के कुछ अच्छे अवसर सामने आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रतिभा का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए नई योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा और प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। मित्रों का सहयोग भी महत्वपूर्ण कार्यों में मददगार साबित हो सकता है। व्यापार से जुड़े जातकों को नए संपर्कों से लाभ मिलने की संभावना है।

मीन। आज साझेदारी से जुड़े कार्यों में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। व्यापार या आर्थिक मामलों में किसी भी निर्णय से पहले सभी पहलुओं को अच्छी तरह समझ लें। जीवनसाथी या साझेदार के साथ स्पष्ट संवाद बनाए रखना जरूरी होगा, जिससे गलतफहमियों से बचा जा सके। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिल सकता है, लेकिन धैर्य बनाए रखें। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और खान-पान में लापरवाही न करें। मानसिक शांति के लिए अनावश्यक चिंताओं से दूर रहने का प्रयास करें। परिवार का सहयोग मिलेगा और किसी करीबी व्यक्ति की सलाह उपयोगी साबित हो सकती है।

ढोढाकोला के जंगल में हो रहा ढिबरा का अवैध खनन, पेड़ों की भी कटाई

कोडरमा। डोमचांच प्रखंड अंतर्गत वन्य प्राणी प्रक्षेत्र का ढोढाकोला, जो कभी घने जंगलों और प्राकृतिक संपदा के लिए जाना जाता था। आज उस पर अवैध कारोबार करने वालों की नजर है। टेकवा, मोटकी, सखुआ समेत आसपास के जंगलों में पेड़ों की कटाई के साथ बड़े पैमाने पर ढिबरा का अवैध उत्खनन चल रहा है।

दिन हो या रात, जंगल के अंदर जेसीबी मशीनों के जरिए बड़े स्तर पर खनन हो रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, अवैध उत्खनन के लिए जंगल की जमीन को जगह-जगह खोदा जा रहा है। इससे न केवल वन क्षेत्र का स्वरूप बदल रहा है, बल्कि पेड़ों और वनस्पतियों को भी नुकसान पहुंच रहा है। जंगल के भीतर खनन गतिविधियों में वाहनों और मशीनों का इस्तेमाल किया जाता है। ढिबरा निकालने के लिए जमीन की खुदाई की जाती है। फिर शक्तिमान वाहन के माध्यम से उसे बाहर निकाला जाता है। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि कई बार सूचना देने के बावजूद कार्रवाई सीमित स्तर तक ही रह जाती है। ग्रामीण वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं। कार्रवाई हुई तो वाहन जब्त, फिर मौके पर ही छोड़ने का आरोप। इस मामले में वन विभाग की कार्यशैली को लेकर सबसे गंभीर सवाल उस घटना को लेकर उठ रहे हैं, जिसमें कार्रवाई के दौरान दो जेसीबी वाहन जब्त किए गए थे। बाद में वन विभाग एक वाहन को वन कार्यालय ले गया। लेकिन एक वाहन में कई सामान खुले होने और वाहन के चालू नहीं होने की बात कहकर वन विभाग ने उसे वहीं छोड़ दिया। अगले दिन उसे निकालने की बात कही गई। वाहन को विभागीय स्तर पर अपने कब्जे में लेकर सुरक्षित स्थान पर ले जाने के बजाय उसे मौके पर ही छोड़ दिया गया। लेकिन रात भर में ही वाहन गायब हो गया। सवाल उठना स्वाभाविक है कि विभाग की कार्रवाई के बाद जब्त वाहन की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी थी? वाहन मौके से कैसे गायब हुआ? उसे वहां से कौन ले गया? इन सवालों का जवाब जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

खनन कार्य को रोकने के लिए लगातार वन विभाग के द्वारा कार्रवाई की जा रही है। अभी तक मेरे नेतृत्व में 10 से अधिक बार छापेमारी की जा चुकी है। सूचना मिलने के बाद लगातार क्यूआरटी टीम के माध्यम से मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की है की जंगलों में अवैध खनन होने पर सूचना दे, उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।.

-मोहित बंसल, प्रशिक्षु डीएफओ

टीएमसी सांसद नदीमुल के 8 ठिकानों पर ईडी का छापा

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार की सुबह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद अहमद हसन नदीमुल हक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में ईडी की टीम ने रांची के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोकर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित उर्दू समाचार पत्र अखबार-ए-मशरीक के दफ्तर पर दबिश दी।

यह ठिकाना सीधे तौर पर राज्यसभा सांसद से जुड़ा बताया जा रहा है। कई घंटे तक यहां चले सघन तलाशी अभियान के बाद टीम रवाना हो गई।

कोलकाता में दर्ज ईसीआईआर के आधार पर हुई इस संयुक्त कार्रवाई में ईडी रांची की टीम ने भी सहयोग किया। रांची के अलावा कोलकाता और दिल्ली समेत करीब आठ ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई। पूरा मामला अखबार के संचालन में कथित वित्तीय अनियमितता और धोखाधड़ी से जुड़ा है। सांसद अहमद हसन नदीमुल हक इस न्यूज पेपर से प्रत्यक्ष रूप से संबद्ध हैं।

सुविधाओं से संवरा परसौनी प्लस टू स्कूल, 1176 विद्यार्थियों को मिल रहीं बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं

इटखोरी। इटखोरी प्रखंड के उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय, परसौनी में आधारभूत सुविधाओं और परिसर प्रबंधन पर जोर देकर स्कूल व्यवस्था को बेहतर किया गया है। विद्यालय में पढ़ाई के साथ स्वच्छता, सुरक्षा, हरियाली, खेलकूद और तकनीकी सुविधाओं को विकसित किया गया है।

विद्यालय की स्थापना 1953 में हुई थी। भूमिदाता रामेश्वर पांडेय सहित अन्य लोगों के योगदान का उल्लेख किया गया है। वर्तमान में यहां कक्षा 1 से 12 तक पढ़ाई होती है। स्कूल में करीब 1176 विद्यार्थी नामांकित हैं। प्रधानाध्यापक कपिल देव प्रसाद के अनुसार परिसर करीब तीन एकड़ में फैला है। 15 कमरों में कक्षाएं संचालित हो रही हैं। पढ़ाई के लिए स्मार्ट क्लास की सुविधा दी गई है। स्कूल में प्रयोगशाला, शिक्षक सदन, विद्यार्थियों के लिए साइकिल पार्किंग और शिक्षकों के लिए अलग बाइक पार्किंग की व्यवस्था है। स्टाफिंग के तहत 22 सरकारी शिक्षक, दो वोकेशनल शिक्षक, एक आईसीटी शिक्षक, एक लिपिक और पांच पारा शिक्षक कार्यरत हैं। स्कूल प्रशासन ने अनुशासन और नियमित निगरानी को प्राथमिकता देने की बात कही है। स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था के लिए बालक और बालिकाओं के अलग शौचालय बनाए गए हैं। शिक्षकों के लिए भी अलग शौचालय की व्यवस्था है। पीने के पानी के लिए पांच आरओ सिस्टम और एक वॉटर चिलर लगाया गया है। सुरक्षा और अनुशासन की निगरानी के लिए परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। खेलकूद के लिए खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, फुटबॉल और रेसलिंग जैसी गतिविधियों की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। स्कूल का कहना है कि इससे विद्यार्थियों को प्रतियोगिताओं की तैयारी और प्रतिभा विकास में मदद मिलती है। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि सरकार की शैक्षणिक और जनकल्याणकारी योजनाओं के नियमों का पालन कराया जाता है। साथ ही विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। स्कूल में एक प्रमुख कमी के रूप में किचन शेड का अभाव बताया गया है। प्रधानाध्यापक कपिल देव प्रसाद ने कहा कि किचन शेड निर्माण के लिए सरकार से मांग की गई है। स्कूल का कहना है कि इसके बनने से मध्यान्ह भोजन और अन्य व्यवस्थाओं का संचालन बेहतर तरीके से किया जा सकेगा।

चतरा में सुनसान घर से 41 लाख का डोडा बरामदः लावालौंग के सतीटांड़ में पुलिस ने की कार्रवाई, तस्करों का नेटवर्क खंगाला जा रहा

चतरा। चतरा जिले में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है। लावालौंग थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर लाखों रुपये का डोडा बरामद किया है।

यह डोडा एक सुनसान घर में छिपाकर रखा गया था। इसकी कीमत 41 लाख रुपये बताई जा रही है और इसका वजन 272 किलो है। पुलिस के अनुसार, इसे आगे सप्लाई करने की तैयारी थी।

सदर एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने बताया कि 6 सितंबर को चतरा के पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के मुताबिक, ग्राम सतीटांड़ से मरगड्डा की ओर जाने वाली सड़क के किनारे एक सुनसान मिट्टी के घर में भारी मात्रा में मादक पदार्थ छिपाया गया था।

एसपी के निर्देश पर लावालौंग थाना प्रभारी चंदन कुमार और सब-इंस्पेक्टर विधायक प्रसाद यादव के नेतृत्व में सशस्त्र बल ने उस जगह छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस को मौके से 15 बोरों में पैक कुल 272.750 किलोग्राम डोडा बरामद हुआ।

रांची रेल मंडल:आज खड़गपुर-हटिया आद्रा तक ही चलेगी, हटिया-सांकी पैसेंजर ट्रेन रद्द

रांची। रांची रेल मंडल के अंतर्गत किता-सिल्ली रेलखंड पर विकास कार्य के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। इसके कारण मंगलवार को बर्द्धमान-हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस (13503/13504) का गोमो स्टेशन पर आंशिक समापन और वहीं से आंशिक प्रारंभ होगा। गोमो-हटिया-गोमो के बीच ट्रेन का परिचालन रद्द रहेगा। खड़गपुर-हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस (18035/18036) का आद्रा स्टेशन पर आंशिक समापन और प्रारंभ किया जाएगा। आद्रा-हटिया-आद्रा के बीच इसका परिचालन रद्द रहेगा। आसनसोल-रांची-आसनसोल मेमू पैसेंजर (63598/63597) का भी मुरी स्टेशन पर आंशिक समापन और प्रारंभ होगा। मुरी-रांची-मुरी के बीच ट्रेन नहीं चलेगी। इसके अलावा हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर (58663/58664 और 58665/58666) की दोनों सेवाएं 8 सितंबर को पूरी तरह रद्द रहेंगी।

टीएमसी सांसद नदीमुल के 8 ठिकानों पर ईडी का छापाः जांच एजेंसी को मनी ट्रेल का शक, कोकर में उर्दू न्यूज पेपर का दफ्तर खंगाला

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार की सुबह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद अहमद हसन नदीमुल हक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में ईडी की टीम ने रांची के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोकर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित उर्दू समाचार पत्र अखबार-ए-मशरीक के दफ्तर पर दबिश दी।

यह ठिकाना सीधे तौर पर राज्यसभा सांसद से जुड़ा बताया जा रहा है। कई घंटे तक यहां चले सघन तलाशी अभियान के बाद टीम रवाना हो गई। कोलकाता में दर्ज ईसीआईआर के आधार पर हुई इस संयुक्त कार्रवाई में ईडी रांची की टीम ने भी सहयोग किया। रांची के अलावा कोलकाता और दिल्ली समेत करीब आठ ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई।

पूरा मामला अखबार के संचालन में कथित वित्तीय अनियमितता और धोखाधड़ी से जुड़ा है। सांसद अहमद हसन नदीमुल हक इस न्यूज पेपर से प्रत्यक्ष रूप से संबद्ध हैं। उन पर पिछले महीने वित्तीय अनियमितता व धोखाधड़ी के आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसके बाद ईडी ने ईसीआईआर दर्ज करते हुए मनी लॉन्ड्रिंग के तहत मामले को जांच में लिया। कार्रवाई के तहत कोलकाता के पार्क सर्कस इलाके में स्थित सांसद के आवास, कार्यालय व अन्य परिसरों पर भी जांच एजेंसी ने दबिश दी।

रांची के फंड का इस्तेमाल मनी ट्रेल में तो नहीं, इसलिए छापा

टीएमसी सांसद नदीमुल हक के रांची में कोकर स्थित दफ्तर पर ईडी की दबिश महज एक अखबार के कामकाज की सामान्य जांच नहीं, बल्कि एक बड़े वित्तीय नेटवर्क की पड़ताल है। रांची यूनिट से जब्त डिजिटल रिकॉर्ड और बिलिंग के जरिए एजेंसी यह पता लगा रही है कि झारखंड के फंड और विज्ञापनों का इस्तेमाल मनी ट्रेल को आगे बढ़ाने में तो नहीं हुआ। इस पूरे केस की जड़ केंद्र की पहल नहीं, बल्कि बंगाल की बिधाननगर पुलिस द्वारा दर्ज वह एफआईआर है, जिसमें सांप्रदायिक सामग्री के साथ संदिग्ध लेन-देन की धाराएं लगाई गई थीं।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

4		6	5		2	8		9
				4			3	
								5
6			8			1		
5				7			8	
3		2	9		4		6	
	2		6					1
				5	3	9	4	
8	3			9				2

पिछले अंक का उत्तर

3	9	2	4	6	5	8	1	7
7	4	1	8	9	3	6	2	5
6	8	5	2	7	1	4	3	9
2	5	4	1	3	8	7	9	6
8	3	9	6	2	7	1	5	4
1	7	6	9	5	4	2	8	3
9	6	7	5	8	2	3	4	1
4	2	3	7	1	9	5	6	8
5	1	8	3	4	6	9	7	2

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

झारखंड में मानसून फिर सक्रियः 9-10 को भारी बारिश का अलट

रांची। झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। उत्तर प्रदेश के मध्य हिस्से में बने निम्न दबाव के क्षेत्र और सक्रिय मानसूनी गर्त के प्रभाव से राज्य के कई हिस्सों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। सोमवार को रांची में दोपहर से शाम तक बारिश का दौर जारी रहा। यहां 24 घंटे में 60.6 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि गिरिडीह में बीते 24 घंटे के दौरान 112.4 मिमी बारिश हुई। कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। अगले दो दिनों तक अधिकतम तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा, जबकि इसके बाद तीन दिनों में तापमान 3 से 4 डिग्री तक गिर सकता है। 8 सितंबर यानी आज कई जगह मेघगर्जन और वज्रपात की आशंका है। 9 सितंबर को बोकारो, धनबाद और उत्तर-पूर्वी झारखंड में भारी बारिश के साथ 30-40 किमी प्रतिघंटे की तेज हवा, गर्जन और वज्रपात का अलर्ट है। 10 सितंबर को रांची, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, धनबाद और गिरिडीह में भारी बारिश की चेतावनी है।

भारत के खिलाफ क्रिकेट मैच के लिए जापान टीम घोषित:सुजुकी कप में कडोवाकी-फ्लेमिंग को टीम की कमान; 22 को एकमात्र टी-20 मुकाबला

जापान ने भारत के खिलाफ 22 सितंबर को होने वाले टी-20 मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। जापान के सानो शहर में होने वाले इस मुकाबले में केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग टीम के कप्तान होंगे। उन्होंने टी-20 में जापान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं।

दोनों देशों के बीच डिप्लोमेटिक रिलेशन के 75 साल पूरे होने पर यह एकमात्र मुकाबला खेला जा रहा है। इसे सुजुकी कप कहा गया है। मैच भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा।

एशियन गेम्स से पहले मुकाबला

एशियन गेम्स 2026 के मुकाबले जापान के आइची-नागोया शहर में खेले जाएंगे। इसमें क्रिकेट भी शामिल है। सुजुकी कप का मैच एशियन गेम्स में मेंस क्रिकेट शेड्यूल से पहले खेला जाएगा। पुरुष कैटेगरी के ये मुकाबले 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक खेले जाएंगे।

भारत की टीम 19 सितंबर को रवाना होगी

डिफेंडिंग चैंपियन भारत एशियन गेम्स के लिए टीम घोषित कर चुका है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम में युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी भी शामिल हैं। भारतीय टीम 19 सितंबर को सानो के लिए रवाना होगी। इसगे अगले दिन टीम प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लेगी।

मुकाबले के लिए दोनों टीमें....

जापान: केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग (कप्तान), चार्ली हारा-हिंज़े, बेंजामिन गो-इतो डेविस, कोहेई कुबोटा, वातरु मियाउची, रियो सकुरानो-थॉमस, डेक्लन सुजुकी-मैककॉम्ब, शोमा सुगाया-स्लेटर, अलेक्जेंडर शिराई-पैटमोर, लचलान यामामोतो-लेक, माकोटो तानियामा, इब्राहिम ताकाहाशी, त्सुयोशी ताकादा, जेक कुसुडा-नैर्न और एलेस्टर कडोवाकी-फ्लेमिंग।

भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह।

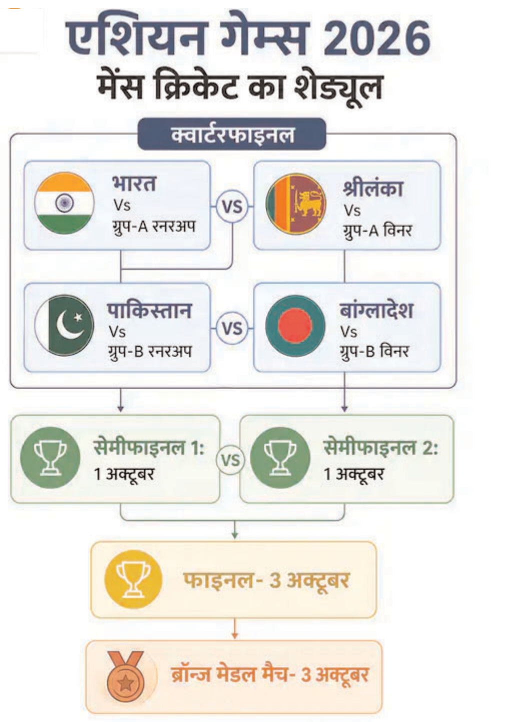

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 300 अंक गिरकर 75,800 पर: निफ्टी भी 100 अंक गिरा; यह 23,700 पर कारोबार कर रहा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार, 8 सितंबर को शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स करीब 300 अंक टूटकर 75,800 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी करीब 100 अंक की गिरावट के साथ 23,700 के स्तर पर पहुंच गया। लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में बाजार में कमजोरी से निवेशकों के बीच सतर्कता बढ़ी हुई दिखाई दी।

वैश्विक बाजारों से मिले मिश्रित संकेतों का असर भी घरेलू बाजार पर देखने को मिला। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.06 प्रतिशत की मजबूत तेजी के साथ कारोबार कर रहा था, जबकि जापान के निक्केई में 0.07 प्रतिशत की मामूली बढ़त रही। दूसरी ओर, हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आया।

इससे पहले 7 सितंबर को अमेरिकी शेयर बाजारों में गिरावट दर्ज की गई थी। डाउ जोन्स 272 अंक यानी 0.51 प्रतिशत कमजोर हुआ। वहीं नैस्डैक में 0.29 प्रतिशत और एसएंडपी 500 में 0.38 प्रतिशत की गिरावट रही। अमेरिकी बाजारों की कमजोरी का असर निवेशकों की धारणा पर पड़ा।

हालांकि घरेलू संस्थागत निवेशक यानी **DII** बाजार में खरीदारी जारी रखे हुए हैं। पिछले सात दिनों में **DII** ने 17,287 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं।

चांदी 2,406 बढ़कर 2.34 लाख किलो पर पहुंची: 10 ग्राम सोना 606 महंगा होकर 1.53 लाख का हुआ, इस साल 20 हजार महंगा हो चुका

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 8 सितंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 606 रुपए बढ़कर 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 2,406 रुपए बढ़कर 2.34 लाख रुपए हो गई है।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य: ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

इस साल सोना 20 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10**g** सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.34 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

इगा स्वियातेक स ओपन से बाहर हुईं:क्वालिफायर झेंग क्विनवेन ने सीधे सेटों में हराया; गॉफ और आंद्रीवा भी टॉप-8 में; ओसाका

न्यूयॉर्क में **US** ओपन के विमेंस सिंगल्स के चौथे राउंड में चीन की झेंग क्विनवेन ने छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, एलेना रायबाकिना ने नाओमी ओसाका को 6-1, 6-4 और कोको गॉफ ने हमवतन इवा जॉविक को 6-1, 6-4 से और मिर्रा आंद्रीवा ने भी अनास्तासिया पोटापोवा को हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया।

5-0 से पिछड़कर लगातार झेंग क्विनवे ने दूसरी बार वापसी की

स्वियातेक ने पहले सेट में 5-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन झेंग ने लगातार 7 गेम जीतकर सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में उन्होंने स्वियातेक की सर्विस दो बार तोड़ी और 6-3 से मैच जीत लिया।

यह झेंग की लगातार दूसरी 0-5 से वापसी है। इससे पहले तीसरे राउंड में उन्होंने मैडिसन कीज के खिलाफ निर्णायक सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद मैच जीता था। उस मुकाबले में उन्होंने मैच पॉइंट भी बचाया था।

झेंग क्वालिफाइंग राउंड से मुख्य ड्रॉ में पहुंची थीं और अब स ओपन के क्वार्टर फाइनल में हैं। वह 2021 में एम्मा राडुकानू के बाद इस टूर्नामेंट के विमेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर हैं। 2024 पेरिस ओलिंपिक की गोल्ड मेडलिस्ट झेंग कभी वर्ल्ड नंबर-4 भी रह चुकी हैं, लेकिन पिछले साल कोहनी की सर्जरी के बाद उनकी रैंकिंग 121 तक गिर गई थी।

दूसरी ओर, स्वियातेक 2022 की स ओपन चैंपियन और छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता हैं। झेंग के खिलाफ हार के बाद वह आर्थर ऐश स्टेडियम से आंसुओं के साथ बाहर गईं। झेंग ने इससे पहले 2024 पेरिस ओलिंपिक के गोल्ड मेडल मैच में भी स्वियातेक को हराया था।

एलेना रायबाकिना ने नाओमी ओसाका को 66 मिनट में 6-1, 6-4 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना झेंग से होगा।

रायबाकिना के पास पहली बार वर्ल्ड नंबर-1 बनने का मौका है। झेंग को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचते ही वह आर्यना सबालेंका को पीछे छोड़कर टॉप रैंक हासिल कर लेंगी।

ओसाका बोलीं- अब हार से दुखी नहीं होती

रायबाकिना से हार के बाद चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका ने कहा कि अब वह हार को पहले की तरह नहीं लेतीं। वह उससे सीखने की कोशिश करती हैं। मैच के दौरान पैर में दर्द के कारण उनकी मूवमेंट भी प्रभावित हुई।

एशिया कप-पाकिस्तानी प्लेयर ने 7 रन देकर 6 विकेट लिए: 6 दिन पहले श्रीलंकाई कप्तान ने रिकॉर्ड बनाया था, 5 रन देकर 7 विकेट लिए थे

विमेंस एशिया कप में लगातार रिकॉर्ड बन रहे हैं। सोमवार रात पाकिस्तान की नशरा संधू ने हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 7 रन देकर 6 विकेट लिए। नशरा का पाकिस्तान की विमेंस टीम के लिए झ20ढ्ढ में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खास बात यह है कि एशिया कप में 6 दिन के अंदर यह दूसरा बड़ा गेंदबाजी प्रदर्शन है। इससे पहले 2 सितंबर को श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने इंडोनेशिया के खिलाफ 5 रन देकर 7 विकेट लिए थे।

इसके साथ ही दुबई में खेले गए ग्रुप्र के आखिरी मैच में पाकिस्तान ने हॉन्गकॉन्ग को 72 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 143 रन बनाए, जिसके जवाब में हॉन्गकॉन्ग की टीम 71 रन पर ऑलआउट हो गई।

नशरा संधू ने हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ अपने झ20ढ्ढ करियर में पहली बार 5 विकेट (कुल 6 विकेट)। उन्होंने यास्मिन दसवानी को कैच एंड बोल्ड करने के बाद मरीना लैम्पलॉ और मरियम बीबी को आउट किया। इसके बाद शांजीन शाहजाद को पवेलियन भेजा। एलिसन सिउ का विकेट लेते ही नशरा के 5 विकेट पूरे हो गए। इसके बाद इकरा सहार को बोल्ड कर उन्होंने छठा विकेट भी हासिल कर लिया। नशरा ने ओमैमा सोहैल के 13 रन पर 5 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। ओमैमा ने 2022 में श्रीलंका के खिलाफ 5 विकेट लिए थे। नशरा का यह प्रदर्शन पाकिस्तान के पूरे **T20I** क्रिकेट में भी सबसे बेहतर है। पुरुष और महिला खिलाड़ियों को मिलाकर भी किसी पाकिस्तानी गेंदबाज के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पेल का रिकॉर्ड अब उनके नाम है।

पाकिस्तान क्रिकेट ने खिलाड़ियों के व्यवहार पर जांच शुरु की: दूसरे टेस्ट के बाद 7 प्लेयर्स को निकाला था

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इंग्लैंड दौरे पर मौजूद खिलाड़ियों के अनुशासन और व्यवहार को लेकर इंटरनल जांच शुरू कर दी है। क्ष्ट्क प्रवक्ता आमिर मीर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मीडिया में आ रही खबरों को गंभीरता से लेते हुए यह कदम उठाया गया है।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार के बाद पाकिस्तान ने 7 खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर दिया था। हेडकोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को भी हटा दिया गया था। उनकी जगह व्हाइट बॉल टीम के कोच माइक हेसन और एश्ले नॉफके को जिम्मेदारी सौंपी गई हैं।

इसके बाद से टीम का इंग्लैंड दौरा लगातार विवादों में है। इससे पहले यह खबर आई थी कि पाकिस्तान ने सभी खिलाड़ियों के फोन भी जब्त कर लिए हैं।

PCB के प्रवक्ता ने कहा- 'इंग्लैंड दौरे पर मीडिया में हमारे खिलाड़ियों के अनुशासन और व्यवहार को लेकर आई खबरों को गंभीरता से लेते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आंतरिक अनुशासनात्मक जांच शुरू कर दी है। फिलहाल इन सभी मामलों की अंदरूनी स्तर पर समीक्षा की जा रही है।'

सोशल मीडिया पर जारी आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया गया है कि यह केवल एक अनुशासनात्मक प्रक्रिया है। इसके जरिए खिलाड़ियों के आचरण और अनुशासन से जुड़े पहलुओं को जांचा जा रहा है। हालांकि मामले में किसी एंटी-करप्शन एंगल की बात अभी तक सामने नहीं आई है।

आमिर ने कहा- '**PCB** ऐसे मामलों को अपनी तय प्रक्रिया के मुताबिक संभालता है। यह प्रक्रिया क्ष्ट्क के नियमों के तहत की जा रही है और इसमें सभी संबंधित लोगों को उचित मौका दिया जा रहा है।'

बताया जा रहा है कि खिलाड़ियों के मोबाइल फोन मीडिया में जानकारी लीक होने के आरोपों की फोरेंसिक जांच के लिए लिए गए थे। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

क्या अगले साल भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान में खेलेंगे?:पाकिस्तान में होंगे 2027 साउथ एशियन गेम्स; रिपोर्ट- भारत ने भागीदारी पर हामी भरी

भारत ने पाकिस्तान में होने वाले 2027 साउथ एशियन फेडरेशन गेम्स में अपना दल भेजने पर सहमति दे दी है। पाकिस्तानी मीडिया 'द न्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक, साउथ एशियन ओलिंपिक एसोसिएशन की मीटिंग में भारत के प्रतिनिधियों ने मल्टी-स्पोर्ट्स इवेंट में शामिल होने का न्योता स्वीकार किया है।

पाकिस्तान ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव खालिद महमूद ने कहा- 'भारत ने क्षेत्रीय खेल स्तर पर अपनी मंजूरी दे दी है।' हालांकि भारतीय दल में कौन-कौन से एथलीट शामिल होंगे, इसकी लिस्ट जनवरी 2027 में जारी की जाएगी।

2027 के इस टूर्नामेंट में 28 खेलों में मुकाबले होंगे। टूर्नामेंट के आयोजन को तीन शहरों में बांटा गया है। इसमें इस्लामाबाद स्क्वैश, टेनिस और मार्शल आर्ट्स समेत 15 खेलों की मेजबानी करेगा। लाहौर में क्रिकेट, हॉकी और स्विमिंग सहित 10 खेलों के मुकाबले होंगे। वहीं पेशावर को 3 खेलों के आयोजन की जिम्मेदारी दी गई है।

हालांकि भारतीय क्रिकेटरों ने आखिरी बार 2008 में पाकिस्तान का दौरा किया था। साथ ही भारत ने पिछले दो पुरुष और एक महिला साउथ एशियन गेम्स में अपनी क्रिकेट टीम नहीं भेजी थी।

साल 2008 से लेकर 2026 के बीच, इन मुख्य खेलों की भारतीय टीमों ने पाकिस्तान में जाकर मैच या टूर्नामेंट खेले हैं:

60 साल बाद भारतीय टेनिस टीम ने पाकिस्तान का दौरा किया। इस्लामाबाद में खेले गए 'डेविस कप वर्ल्ड ग्रुप-1 प्ले-ऑफ' में युकी भांबरी, रामकुमार रामनाथन, साकेत माइनेनी और श्रीराम बालाजी शामिल हुए। भारत 4-0 से जीता।

भारत की 30 सदस्यीय ब्रिज टीम ने लाहौर में आयोजित 22वीं 'ब्रिज फेडरेशन ऑफ एशिया एंड मिडिल ईस्ट' चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। भारतीय दल ने ओपन, मिक्स्ड, महिला और सीनियर- सभी 4 कैटेगरीज में गोल्ड मेडल जीते।

भारतीय एथलेटिक्स फेडरेशन ने इस्लामाबाद में आयोजित एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के लिए अपनी आधिकारिक टीम पाकिस्तान भेजी, जहां भारतीय एथलीटों ने हिस्सा लिया।

पाकिस्तान 23 साल बाद मल्टी-स्पोर्ट्स इवेंट स्न्न गेम्स की मेजबानी करने जा रहा है। इससे पहले पाकिस्तान ने 2004 में इस्लामाबाद में इन खेलों की मेजबानी की थी। भारत से सहमति मिलने के बाद पाकिस्तान में तैयारियां तेज हो गई हैं। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार ने तैयारियों की समीक्षा की है। उन्होंने अधिकारियों को इंटरनेशनल लेवल की सुविधाएं, सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स और मेडिकल सपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

हाथों की नियमित सफाई, सुरक्षित पेयजल और जल संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

स्वच्छता पखवाड़ा में गूंजा स्वच्छता का संदेश, विद्यालयों में मनाया गया हाथ धुलाई दिवस

रायपुर। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत सूरजपुर जिले शासकीय विद्यालयों में हाथ धुलाई दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस दौरान जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को हाथों की नियमित सफाई, व्यक्तिगत स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल, स्वच्छ शौचालय और स्वच्छ विद्यालय परिसर के महत्व की जानकारी दी गई। बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ स्वच्छता को अपने दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इसी क्रम में शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली में प्रार्थना सभा के दौरान हाथ धुलाई दिवस का आयोजन किया गया। शिक्षिका ने विद्यार्थियों को साबुन से हाथ धोने की सही विधि का प्रदर्शन कराते हुए हाथ धुलाई के विभिन्न चरणों का अभ्यास कराया। विद्यार्थियों को भोजन से पहले और बाद में, शौचालय के उपयोग के पश्चात तथा गंदगी के संपर्क में आने पर साबुन से अच्छी तरह हाथ धोने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में जलजनित बीमारियों से बचाव, सुरक्षित पेयजल के उपयोग, स्वच्छ शौचालय तथा व्यक्तिगत स्वच्छता के संबंध में भी जानकारी दी गई। शिक्षकों ने समझाया कि साबुन से नियमित रूप से हाथ धोने की आदत संक्रमण और कई बीमारियों से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हर बूंद कीमती, पानी बचाने का दिया संदेश

हाथ धुलाई दिवस के दौरान विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया गया। बच्चों को बताया गया कि हाथ धोते समय नल को अनावश्यक रूप से खुला नहीं छोड़ना चाहिए और आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग करना चाहिए। विद्यार्थियों को पानी की प्रत्येक बूंद के महत्व को समझाते हुए घर और विद्यालय दोनों स्थानों पर जल संरक्षण की आदत अपनाने का संदेश दिया गया।

शिक्षकों ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन या अभियान तक सीमित रहने वाली गतिविधि नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक दैनिक आदत है। विद्यार्थियों को नियमित हाथ धुलाई, व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वच्छ विद्यालय परिसर और जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने स्वच्छता, नियमित हाथ धुलाई, स्वच्छ वातावरण और जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रधानपाठक, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों की उपलब्धि : महिला के पेट से निकाला गया 8 किलोग्राम वजनी विशालकाय ट्यूमर

रायपुर। लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति चिकित्सालय, रायगढ़ के डॉक्टरों ने एक बेहद जटिल और जोखिम भरे ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देकर एक 46 वर्षीय महिला को नई जिंदगी दी है।

झलमला निवासी चंपा यादव के पेट से एक विशालकाय ट्यूमर (फाइब्रॉएड) निकाला गया है, जिसका आकार लगभग 24.2 × 23.1 ×17 सेंटीमीटर और वज़न 8 किलोग्राम था, जो आकार में एक बड़े फुटबॉल के बराबर है।

चंपा यादव पिछले एक महीने से पेट में तेज दर्द, अत्यधिक सूजन और उल्टी की समस्या से बुरी तरह जूझ रही थीं। 22 अगस्त 2026 को जब उन्हें आपातकालीन स्थिति में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में लाया गया, तब उनकी हालत बेहद गंभीर थी और शरीर में खून की भारी कमी (हीमोग्लोबिन मात्र 7.5 ग्र/डेल) पाई गई थी। इसके अलावा, रेडियोलॉजिकल जांच (सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड) में स्पष्ट हुआ कि इस विशाल गांठ के भारी दबाव के कारण गर्भाशय विस्थापित हो गया था और बायीं मूत्रवाहिनी दब गई थी, जिससे किडनी पर भी विपरीत असर पड़ रहा था और लिवर के पैरामीटर्स बिगड़ चुके थे।

स्थिति की गंभीरता और मरीज की नाजुक हालत को देखते हुए, मेडिकल टीम ने पहले मरीज को स्थिर करने का निर्णय लिया। रक्त की भारी कमी को पूरा करने के लिए उन्हें कई यूनिट पैक्ड रेड ब्लड सेल चढ़ाए गए और एंटीबायोटिक्स के माध्यम से उनके ऑर्गन फंक्शन को सर्जरी के अनुकूल बनाया गया।

हुनर को मिला बिहान का साथ, आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ीं रानू कैवर्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई देने लगा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान से जुड़कर महिलाएं अपने हुनर और मेहनत को स्थायी आजीविका का माध्यम बना रही हैं। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड की ग्राम पंचायत अंडी की श्रीमती रानू कैवर्त ऐसी ही महिला हैं, जिन्होंने मेहनत, हुनर और बिहान से मिले सहयोग के बूते आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखी है।

कभी सीमित आमदनी में परिवार की जरूरतें पूरी करने वाली रानू कैवर्त आज अपने गांव में महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक मिसाल बन चुकी हैं। शिव गुरु महिला स्व-सहायता समूह की सचिव के रूप में उन्होंने समूह से मिले मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग का बेहतर उपयोग करते हुए आजीविका की अनेक गतिविधियों को अपनाया। उनके प्रयासों का परिणाम है कि अब विभिन्न आयमूलक गतिविधियों से उनकी वार्षिक आय लगभग 2 से 3 लाख रुपये तक पहुंच गई है।

रानू कैवर्त ने आत्मनिर्भर बनने के लिए किसी एक व्यवसाय पर निर्भर रहने के बजाय अपनी रुचि और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप कई गतिविधियों को एक साथ आगे बढ़ाया। उनके समूह द्वारा सिलाई कार्य, कपड़ों की दुकान, किराना स्टोर, बटेर पालन, देशी मुर्गी पालन और हैचरी जैसी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन गतिविधियों ने परिवार के लिए आय के नए स्रोत विकसित किए हैं। सिलाई कार्य और कपड़ों की दुकान से जहां उन्हें अपने हुनर को आय में बदलने का अवसर मिला, वहीं किराना दुकान तथा पशु-पक्षी पालन से आमदनी के अतिरिक्त साधन तैयार हुए। हैचरी और देशी मुर्गी पालन जैसी गतिविधियों ने उनके व्यवसाय को और विस्तार दिया।

गुरु का ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता, शिक्षक राष्ट्र निर्माण के सच्चे शिल्पकार:राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर। समाज और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के अमूल्य योगदान को नमन करते हुए स्व. सोनचंद स्मृति फाउंडेशन के तत्वाधान में नगर भवन, बलौदाबाजार में गरिमामय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने जिले के 150 सेवानिवृत्त शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

गुरुजनों के मार्गदर्शन से ही संभव है सशक्त समाज का निर्माण

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान को सर्वोपरि बताया।उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल किताबी ज्ञान नहीं बांटते, बल्कि वे विद्यार्थियों में संस्कार रोपकर उनके व्यक्तित्व और भविष्य की मजबूत नींव रखते हैं।

उन्होंने सभी गुरुजनों का अभिनंदन करते हुए कहा कि गुरुजनों का उपकार इतना महान है कि इसे कभी चुकाया नहीं जा सकता। जिन शिक्षकों का आज सम्मान हुआ है, उन्होंने अपने जीवन का स्वर्णिम समय भावी पीढ़ी को गढ़ने में समर्पित किया है। उनका यह योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा देने वाले सेवानिवृत्त शिक्षकों को स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

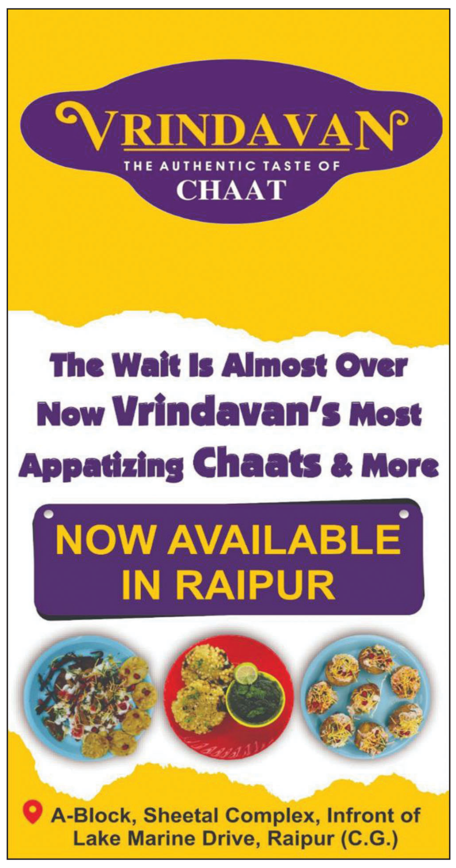

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684